NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 234 लखनऊ, शुक्रवार 17 अप्रैल 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

परिसीमन पर पीएम मोदी की ग्रांटी, बोले- उत्तर-दक्षिण किसी भी राज्य के साथ अन्याय नहीं होगा

एजेंसी।
दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में परिसीमन प्रक्रिया को लेकर उत्तर और दक्षिण के राज्यों के बीच किसी भी भेदभाव की आशंका को खारिज किया है। उन्होंने महिला आरक्षण विधेयक पर चर्चा के दौरान कहा कि यह प्रक्रिया पूरी तरह से निष्पक्ष होगी और राजनीतिक लाभ के लिए फैलाई जा रही चिंताओं का कोई आधार नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि परिसीमन प्रक्रिया में राज्यों के बीच कोई भेदभाव नहीं होगा, चाहे वे उत्तर, दक्षिण, बड़े या छोटे हों। परिसीमन विधेयक पर विस्तार से बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने संकेत दिया कि इस प्रक्रिया का विरोध करने वाले लोग केवल राजनीतिक लाभ के लिए ऐसा कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने यह आश्वासन दिया कि कोई भेदभाव नहीं होगा, कोई अन्याय नहीं होगा। मोदी ने महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयकों पर चर्चा के लिए आयोजित संसद के विशेष सत्र के दौरान कहा कुछ लोग सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए गड़बड़ी पैदा कर रहे हैं। मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ आश्वस्त करना चाहता हूं कि चाहे उत्तर हो या दक्षिण, इस प्रक्रिया में किसी तरह का भेदभाव या अन्याय नहीं होगा। इसके साथ ही मोदी ने कहा कि मैं वादा कर सकता हूं और गारंटी दे सकता हूंय अगर आप गारंटी शब्द का इस्तेमाल करना चाहते हैं तो मैं करूंगा, अगर आप वादा शब्द का इस्तेमाल करना चाहते हैं तो मैं करूंगा। उन्होंने कहा कि भूतकाल में जो सरकार रही, जिनके काल में जो परिसीमन हुआ, उस अनुपात में भी कोई बदलाव नहीं होगा, और वृद्धि भी उसी अनुपात में होगी। अगर गारंटी चाहिए तो मैं गारंटी देता हूं, वादा चाहिए तो वादा देता हूं. .. क्योंकि अगर नीयत साफ है, तो शब्दों का खेल करने की जरूरत नहीं है।मोदी ने कहा कि हम उस अहंकार में न रहें कि हम देश की नारी शक्ति को कुछ दे रहे हैं... जी नहीं! उसका हक घ्है। हमने कई दशकों से रोका हुआ है। आज उसका प्रायश्चित कर उस पाप से मुक्ति पाने का अवसर है। उन्होंने कहा कि यहां कुछ लोगों को लगता है कि इसमें मोदी का राजनीतिक स्वार्थ है। इसका अगर विरोध करेंगे तो स्वाभाविक है कि राजनीतिक लाभ मुझे होगा, लेकिन अगर साथ चलेंगे तो किसी को कोई राजनीतिक फायदा नहीं होगा। हमें क्रेडिट नहीं चाहिए। जैसे ही ये पारित हो जाए, मैं कल विज्ञापन देकर सबका धन्यवाद करने को तैयार हूं, सबकी फोटो छपवाने को तैयार हूं। क्रेडिट आप ले लो... आपको जिसकी फोटो छपवानी है, मैं सरकारी खर्चे से छपवाने को तैयार हूं।उन्होंने कहा कि देश में करीब 650 जिला पंचायतें हैं। करीब पौने तीन सौ महिलाएं उसका नेतृत्व करती हैं। एक कैबिनेट मीनिस्टर से ज्यादा जिम्मेदारी होती है उन पर, काम करती हैं वो। करीब 6,700 ब्लॉक पंचायतों में से करीब 2700 से अधिक ब्लॉक पंचायतें ऐसी हैं, जिनका नेतृत्व महिलाओं के हाथ में हैं।

इमर्जिंग तकनीक से विकास को मिलेगी नई गति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से हर क्षेत्र में आएगा बदलाव मुख्यमंत्री

संवाददाता।
लखनऊ / गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उभरती हुई तकनीक हमारे कार्यों और विकास की गति को नई उड़ान दे सकती है। आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के निर्माण का आह्वान करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि हमें उभरती हुई तकनीक का उपयोग करते हुए जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ना होगा। प्रत्येक क्षेत्र में इसके प्रयोग की अपार संभावनाएं हैं। तकनीक युवाओं के जीवन को किस प्रकार गति दे सकती है, यह वर्तमान समय में तकनीक की बढ़ती रफ्तार से स्पष्ट देखा जा सकता है।मुख्यमंत्री महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में 'विकसित भारत–विकसित उत्तर प्रदेशः2047' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व मुख्यमंत्री तथा टाटा संस एवं टाटा समूह के अध्यक्ष एन. चन्द्रशेखरन ने विश्वविद्यालय के पंचकर्म केन्द्र का निरीक्षण किया तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को प्रतीकात्मक चेक, प्रमाण–पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही 'सभी के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता जागरूकता' कार्यक्रम में योगदान देने वाले विद्यार्थियों तथा 'किसानों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता' प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले किसानों को भी प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर तथा चिकित्सा नवाचार केन्द्र, राजकीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान, ग्रेटर नोएडा के मध्य सहमति पत्र का आदान–प्रदान भी किया गया।मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीक तेज गति से समाधान दे सकती है, बशर्ते उसके अनुरूप रणनीति बनाकर कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पूर्व पूर्वी उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस से प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में मौतें होती थीं। पिछले 40 वर्षों में 50 हजार से अधिक लोगों की मृत्यु हुई थी। विशेषज्ञों से चर्चा कर विभिन्न स्थानों से आंकड़े एकत्र किए गए और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से यह पता चला कि यह बीमारी उन क्षेत्रों में अधिक थी, जहां स्वच्छता और शुद्ध पेयजल का अभाव था। इसके बाद चिन्हित बस्तियों में शौचालय निर्माण और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था की गई, जिसके परिणामस्वरूप इस बीमारी पर प्रभावी नियंत्रण संभव हुआ।उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में बालिकाओं का विद्यालय छोड़ने का प्रतिशत 19 से 20 प्रतिशत था, जो एक बड़ी चुनौती थी। राज्य सरकार ने निःशुल्क शिक्षा, वर्दी, बैग, पुस्तकें, जूते–मोजे और स्वेटर उपलब्ध कराने के साथ 'स्कूल चलो अभियान' चलाया। आंकड़ों के विश्लेषण से विद्यालयों में स्वच्छ पेयजल और शौचालय की कमी को प्रमुख कारण पाया गया। इसके समाधान के बाद विद्यालय छोड़ने की दर घटकर लगभग 3 प्रतिशत रह गई।मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग कृषि क्षेत्र में अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रहा है। इसके माध्यम से वास्तविक समय के आंकड़ों के आधार पर यह पता लगाया जा सकता है कि खेत में कब और कितनी मात्रा में उर्वरक तथा पानी देना है तथा किस समय गुड़ाई और कटाई करनी है। उन्होंने कहा कि तकनीक के उपयोग से प्रदेश के किसानों ने कृषि विकास दर को 7 से 8 प्रतिशत से बढ़ाकर लगभग 18 प्रतिशत तक पहुंचाया है।उन्होंने बताया कि वर्ष 2000 से 2017 के बीच 17 वर्षों में गन्ना किसानों को 2 लाख 4 हजार करोड़ रुपये का भुगतान हुआ, जबकि वर्ष 2017 से 2025 के बीच लगभग साढ़े आठ वर्षों में 3 लाख 16 हजार करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। तकनीक के उपयोग से गन्ना पर्ची को ऑनलाइन किए जाने से किसानों की घटतौली और दलाली जैसी समस्याएं समाप्त हुईं और उन्हें समय से भुगतान सुनिश्चित हुआ।मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग और बढ़ाने की आवश्यकता है। टेलीकंसल्टेशन जैसी व्यवस्थाओं से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और जिला अस्पतालों के माध्यम से अधिकांश मरीजों का उपचार संभव होगा तथा केवल गंभीर मामलों को ही उच्च स्तरीय चिकित्सा संस्थानों में भेजा जाएगा।
उन्होंने कहा कि ड्रोन तकनीक कृषि और चिकित्सा आपात स्थितियों में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकती है। ड्रोन के माध्यम से कम समय में खेतों में दवा का छिड़काव किया जा सकता है तथा आवश्यकता पड़ने पर रक्त या अन्य आवश्यक सामग्री को एक स्थान से दूसरे स्थान तक शीघ्र पहुंचाया जा सकता है। कानपुर और नोएडा में ड्रोन तकनीक के उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित किए जा रहे हैं, जबकि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर तथा संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ में चिकित्सा तकनीक से जुड़े उत्कृष्टता केन्द्र विकसित किए जा रहे हैं।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए टाटा संस एवं टाटा समूह के अध्यक्ष एन. चन्द्रशेखरन ने कहा कि विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश जैसे महत्वपूर्ण विषय पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेना उनके लिए सम्मान की बात है।

बंगाल में घुसपैठ पर सीएम हिमंता का बड़ा हमला, बोले-टीएमसी की वजह से बार्डर सुरक्षित नहीं है

एजेंसी।
असम एक्स पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने आगे आरोप लगाया कि BJP–शासित राज्यों में बंगाल के लोगों को शतकलीफ और अपमानश का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि बंगाल की संस्कृति और विविधता को मिटाकर एकरूपता थोपने की कोशिशें की जा रही हैं। मुझे यह देखकर बहुत दुख होता है कि श्बांग्ला–विरोधीश ठश्रच उन पर किस तरह का दुख और अपमान थोप रही है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार को आने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में BJP की जीत का पूरा भरोसा जताया। उन्होंने ज्ड८ सरकार पर राज्य में घुसपैठियों को घुसने देने का आरोप भी लगाया। एक जनसभा में शामिल होने के बाद मीडिया से बात करते हुए, असम के मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि बांग्लादेशी घुसपैठियों को देश में घुसने से रोकने के लिए सीमाओं पर बाड़ लगाना जरूरी है।उन्होंने कहा हमें असम में 100 सीटें मिलेंगी और पश्चिम बंगाल में 200 सीटें। उन्होंने आगे कहा, ष्हमारी एकमात्र चिंता यह है कि बांग्लादेशियों को हमारे देश में घुसने की इजाजत क्यों दी जानी चाहिए? ममता बनर्जी हमें बांग्लादेशियों को देश में घुसने से रोकने नहीं देतीं। सीमा पर बाड़ लगाना बहुत जरूरी है। इसके अलावा, उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर राज्य में कथित गौ–तस्करी को लेकर निशाना साधा। उन्होंने जोर देकर कहा कि सत्ता में आने के बाद ठश्रच इसे रोक देगी। उन्होंने यह भी कहा कि ठश्रच–शासित राज्यों में मांस पर कभी प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। उन्होंने कहा कि हर दिन, माँ कामाख्या में पशु बलि की रस्म होती है, लेकिन असम में मांस पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। ममता जी को डर है कि जब ठश्रच सत्ता में आएगी, तो मांस पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। असम और बिहार में ठश्रच की सरकारें हैं, लेकिन वहाँ मांस पर प्रतिबंध नहीं है। ममता जी को डर है कि ठश्रच के सत्ता में आने से, उनके राज्य में गायों की तस्करी रुक जाएगी। दूसरी ओर, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी पर बंगाल की पहचान और संवैधानिक अधिकारों को कमजोर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। साथ ही, उन्होंने कहा कि उन्होंने 'पोइला बोइशाख' पश्चिम बंगाल के लोगों के बीच बिताया और राज्य की सेवा करने के अपने संकल्प को दोहराया।एक्स पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने आगे आरोप लगाया कि ठश्रच–शासित राज्यों में बंगाल के लोगों को ष्तकलीफ और अपमानष का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि बंगाल की संस्कृति और विविधता को मिटाकर एकरूपता थोपने की कोशिशें की जा रही हैं। मुझे यह देखकर बहुत दुख होता है कि 'बांग्ला–विरोधी' BJP उन पर किस तरह का दुख और अपमान थोप रही है।

लोकसभा मे अमित शाह पर प्रियांका गांधी का सबसे तीखा हमला!

एजेंसी।
दिल्ली। महिला आरक्षण विधेयक पर केंद्र की मंशा पर सवाल उठाते हुए प्रियंका गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा तंज कसा और कहा कि उनकी राजनीतिक कुटिलता देखकर चाणक्य भी चौंक जाते। उन्होंने विधेयक को परिसीमन से जोड़ने की आलोचना की और कांग्रेस के पिछले प्रयासों का जिक्र करते हुए सरकार की नीयत को कठघरे में खड़ा किया।
कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने गुरुवार को लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक पर बोलते हुए इसका समर्थन किया, लेकिन केंद्र सरकार के इरादे पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस महिला आरक्षण का दृढ़ता से समर्थन करती है और इस मुद्दे पर उसके रुख को लेकर कोई संदेह नहीं होना चाहिए। लोकसभा में सत्ताधारी दल पर निशाना साधते हुए प्रियंका ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक को लेकर जिस तरह की राजनीतिक चालाकी दिखाई जा रही है, उसे देखकर चाणक्य भी आज जीवित होते तो आश्चर्यचकित रह जाते। प्रियंका गांधी ने कहा कि असलियत यह है कि मामला सिर्फ महिला आरक्षण विधेयक का नहीं है, बल्कि वास्तविक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने और

महिला सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता का है। उन्होंने आगे कहा कि महिला कोटा का विचार ऐतिहासिक जड़ों से जुड़ा है और इसकी शुरुआती पहल मोतीलाल नेहरू ने की थी। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी भले ही दावा करें कि उन्हें इसका श्रेय नहीं चाहिए, लेकिन महिलाओं को गुमराह नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि यह मुद्दा सिर्फ राजनीतिक दावों से परे है और विधेयक के पीछे की मंशा पर सवाल उठाया। प्रियंका गांधी ने आगे कहा कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर महिला आरक्षण विधेयक को लागू करने का आग्रह किया था। उन्होंने यह भी बताया कि सोनिया गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व में पहले भी प्रयास किए गए थे, जब 2010 में विधेयक पारित हुआ था, लेकिन लोकसभा में पारित नहीं हो सका था। प्रियंका ने गृह मंत्री अमित शाह पर राजनीतिक कुटिलता का आरोप भी लगाया और तंज कसते हुए कहा कि यदि आज चाणक्य जिंदा होते तो आपकी कुटिलता से चौंक जाते। उनका कहना था कि सच्चाई यह है कि लोकसभा में हो रही चर्चा महिला आरक्षण विधेयक पर ही नहीं है, बल्कि परिसीमन पर भी है।उन्होंने कहा कि 2010 में, दिवंगत प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी के नेतृत्व में, कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण का एक बार फिर प्रयास किया। यह राज्यसभा में पारित भी हो गया, लेकिन लोकसभा में इस पर सहमति नहीं बन पाई। 2018 में, राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर कहा कि महिलाओं के लिए यह आरक्षण 2019 तक लागू किया जाना चाहिए। मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री यहां राहुल गांधी का मजाक उड़ा सकते हैं, लेकिन घर लौटने पर वे अपने शब्दों पर विचार करेंगे।प्रियंका गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सदन में विरोध की बात तो कही, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि वास्तव में विरोध किसने किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने विरोध की बात तो कही, लेकिन यह नहीं बताया कि विरोध किसने किया।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया के प्रयासों से ग्वालियर दिल्ली बेंगलुरु ग्वालियर हवाई सेवा शुरु

वर्तमान में ग्वालियर से इंडिगो की उड़ानें सप्ताह में तीन दिन संचालित होती हैं, जबकि प्रस्तावित अकासा एयर की नई उड़ानों के साथ अब सप्ताह में छह दिन हवाई सेवा उपलब्ध हो सकेगी। इस सेवा को शुरू कराने के लिए केंद्रीय मंत्री द्वारा निरंतर प्रयास किए गए और एयरलाइन अधिकारियों के साथ कई दौर की चर्चाओं के बाद यह संभव हो सका।
ग्वालियरध्नई दिल्ली। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के सतत प्रयासों से ग्वालियर के राजमाता विजयाराजे सिंधिया एयरपोर्ट से ग्वालियरदृदिल्लीदृ बेंगलुरु तथा बेंगलुरुदृदिल्लीदृ ग्वालियर हवाई सेवा शीघ्र प्रारम्भ होने जा रही है। इस नई सेवा पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सिंधिया ने कहा कि इससे ग्वालियर एवं ग्वालियर–चंबल क्षेत्र सहित मध्य प्रदेश की कनेक्टिविटी और सुदृढ़ होगी तथा यात्रियों को प्रमुख शहरों से बेहतर एवं तेज आवागमन सुविधा प्राप्त होगी। जानकारी के अनुसार, अकासा एयर द्वारा इस रूट पर नई उड़ानें शुरू की जाएंगी। वर्तमान में ग्वालियर से इंडिगो की उड़ानें सप्ताह में तीन दिन (मंगलवार, गुरुवार और शनिवार) संचालित होती हैं, जबकि प्रस्तावित अकासा एयर की नई उड़ानों (सोमवार, बुधवार और शुक्रवार) के साथ अब सप्ताह में छह दिन हवाई सेवा उपलब्ध हो सकेगी। इस सेवा को शुरू कराने के लिए केंद्रीय मंत्री द्वारा निरंतर प्रयास किए गए और एयरलाइन अधिकारियों के साथ कई दौर की चर्चाओं के बाद यह संभव हो सका। बेंगलुरु जैसे प्रमुख आईटी एवं स्टार्टअप हब से ग्वालियर का सीधा जुड़ना क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। बेहतर हवाई सेवा से क्षेत्रीय विकास को मिलेगा बल उन्होंने कहा कि नई उड़ान सेवा से व्यापार, उद्योग, शिक्षा और रोजगार के अवसरों को नई गति मिलेगी। दिल्ली और बेंगलुरु जैसे प्रमुख महानगरों से सीधी कनेक्टिविटी मिलने से नागरिकों, व्यवसायियों और विद्यार्थियों को विशेष लाभ होगा तथा आवागमन अधिक सुगम और समयबद्ध हो सकेगा। आधुनिक एयरपोर्ट से साकार हुआ विकास का संकल्प उन्होंने विश्वास जताया कि आधुनिक एयरपोर्ट के माध्यम से क्षेत्र को राष्ट्रीय स्तर की हवाई सुविधाओं से जोड़ने का संकल्प साकार हो रहा है और यह पहल ग्वालियर के समग्र विकास को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगी।

बिहार नई सरकार को निशांत कुमार का समर्थन, सम्राट चौधरी को बताया 'बड़ा भाई'

एजेंसी।
पटना बिहार में नई सरकार के गठन के बाद पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को श्बड़ा भाईश बताते हुए पूर्ण समर्थन व्यक्त किया है। उन्होंने अपने राजनीतिक भविष्य पर अटकलों को समाप्त करते हुए अब सक्रिय रूप से पार्टी संगठन को मजबूत करने और अपने पिता के अधूरे कार्यों को आगे बढ़ाने की घोषणा की है।बिहार में नई सरकार के गठन के बाद बृहस्पतिवार को पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार बृहस्पतिवार दोपहर पहली बार जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रदेश कार्यालय पहुंचे। इस दौरान पत्रकारों ने उनसे कई सवाल पूछे। हालांकि, पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने नई सरकार के नेतृत्व को लेकर खुलकर समर्थन जताया। निशांत ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को अपना "बड़ा भाई" बताते हुए बधाई दी, साथ ही उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी को भी शुभकामनाएं दीं। निशांत ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सम्राट चौधरी बिहार को नई दिशा देंगे और वह उनके नेतृत्व में काम करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उनके पिता व उनका पूरा सहयोग नई सरकार के साथ रहेगा। निशांत ने स्पष्ट किया कि अब वह जनता के बीच जाएंगे और पार्टी संगठन को मजबूत करने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि वह अपने पिता के अधूरे सपनों को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे।निशांत कुमार का यह बयान ऐसे समय आया है, जब नई सरकार के गठन के बाद उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। सूत्रों के मुताबिक, सरकार गठन से पहले उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की संभावनाओं पर चर्चा हुई थी और 14 अप्रैल की दोपहर तक उन्हें इस पद के लिए मनाने की कोशिशें जारी रहीं लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया। नीतीश कुमार ने मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा दिया था।

गोरखपुर में स्थापित उत्कृष्टता केन्द्र युवाओं के भविष्य को संवारने का सशक्तमाध्यम बनेगा मुख्यमंती

गोरखपुर(आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि टाटा टेक्नोलॉजीज द्वारा गोरखपुर में स्थापित उत्कृष्टता केन्द्र युवाओं के भविष्य को संवारने का एक सशक्त मंच है। यह गोरखपुर ही नहीं, बल्कि पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिम–उत्तर बिहार तथा नेपाल की तराई क्षेत्र से जुड़े युवाओं, अन्नदाता किसानों तथा महिलाओं के लिए तकनीक का प्रमुख केन्द्र बनकर पूरे देश को नई दिशा प्रदान करेगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं उभरती प्रौद्योगिकियों पर आधारित यह उत्कृष्टता केन्द्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने तथा भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सहायक सिद्ध होगा।मुख्यमंत्री महाराणा प्रताप प्रौद्योगिकी संस्थान, गोरखपुर में टाटा समूह के सहयोग से स्थापित उत्कृष्टता केन्द्र के उद्घाटन के उपरांत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रयोगशाला का शुभारम्भ किया तथा उत्कृष्टता केन्द्र के दृष्टि दस्तावेज एवं समावेशी कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा उत्तर प्रदेश दस्तावेज का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने नवाचार आधारित उद्यमों पर केन्द्रित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम में संस्थान तथा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के संयुक्त प्रयासों से 'सभी के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता जागरूकता कार्यक्रम' में एक सप्ताह में सर्वाधिक पंजीकरण कर विश्व कीर्तिमान स्थापित किए जाने की घोषणा की गई तथा इसका प्रमाण–पत्र मुख्यमंत्री को प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में संस्थान तथा विभिन्न संस्थाओं के मध्य सहमति पत्रों का आदान–प्रदान भी किया गया।मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर और विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण के लिए तैयार की गई कार्ययोजना में यह उत्कृष्टता केन्द्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आंकड़ा विज्ञान, साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, ड्रोन तथा त्रि–आयामी मुद्रण जैसी आधुनिक तकनीकों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिससे युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया जा सकेगा।उन्होंने कहा कि यह उत्कृष्टता केन्द्र तकनीकी उन्नयन, अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देगा तथा नवाचार, स्टार्टअप, पेटेंट और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को नई गति प्रदान करेगा। एक समय पूर्वी उत्तर प्रदेश को पिछड़ा क्षेत्र माना जाता था, लेकिन यह केन्द्र युवाओं, किसानों और महिलाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाकर पूरे क्षेत्र को समृद्ध बनाने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी भारत की सदी है और इस सदी की नींव युवा शक्ति तथा महिला शक्ति पर आधारित होगी, जिसमें तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज आधारभूत संरचना और विनिर्माण के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो चुका है। पिछले वर्षों में प्रदेश ने स्वयं को बेहतर सड़कों, विद्युत आपूर्ति और निवेश के अनुकूल वातावरण के माध्यम से विकास के नए आयाम दिए हैं। प्रदेश में द्रुतगामी मार्गों का व्यापक जाल विकसित हुआ है और शीघ्र ही गंगा द्रुतगामी मार्ग राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा।उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में मोबाइल निर्माण का लगभग 55 प्रतिशत तथा इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के 60 प्रतिशत पुर्जे निर्मित हो रहे हैं। प्रदेश में लगभग 96 लाख सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग इकाइयां संचालित हैं तथा 22 हजार से अधिक नव उद्यम प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति दे रहे हैं। लखनऊ को रक्षा औद्योगिक गलियारा तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता नगर के रूप में विकसित किया जा रहा है, जबकि बुन्देलखण्ड क्षेत्र में नई औद्योगिक नगरी तथा औषधि पार्क की स्थापना की जा रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन प्रौद्योगिकी, रोबोटिक्स, साइबर सुरक्षा तथा त्रि–आयामी मुद्रण जैसे क्षेत्रों में दक्ष बनाना समय की आवश्यकता है। इन क्षेत्रों में प्रशिक्षण एवं पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए जाने से प्रदेश के युवा नई तकनीकों में दक्ष बन रहे हैं। तकनीक का उपयोग कृषि, स्वास्थ्य तथा जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक रूप से किया जा सकता है और उत्तर प्रदेश संभावनाओं से परिपूर्ण प्रदेश है।

चर्च संपत्तियों को बचाने के लिए न्यास का गठन

अवैध तरीके से संपत्तियों को बेचने वालों पर होगी कार्रवाई

प्रयागराज। ईसाई संपत्तियों को बचाने के लिए एक न्यास का गठन किया गया है। दोसा प्लाजा में आयोजित आयोजित बैठक में बताया गया कि चर्च संपत्ति संरक्षक न्यास (सीसीएटी)यह न्यास चर्च संपत्तियों के दुरुपयोग, अवैध हस्तांतरण और शोषण की व्यापक चिंताओं के जवाब में एक सुरक्षात्मक और सुधारात्मक कदम के रूप में गठित किया गया है। दशकों से भारत में कई धार्मिक संस्थाएँ विवादों में घिरी रही हैं, जहाँ मूल्यवान भूमि और धरोहर संपत्तियाँ धोखाधड़ीपूर्ण विलेखों, हेरफेर किए गए न्यासियों या निजी हितों के साथ मिलीभगत के माध्यम से हड़प ली गईं।

यह न्यास चिंतित व्यक्तियों की सामूहिक पहल के रूप में उभरा है, जिसका उद्देश्य इन संपत्तियों की रक्षा करना, पारदर्शी शासन सुनिश्चित करना और समुदाय–स्वामित्व वाली संपत्तियों के आगे क्षरण को रोकना है।

यह न्यास किसी भी संस्था के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करेगा जो सार्वजनिक कल्याण नियमोंध्नीतियों के विपरीत अवैध रूप से चर्च संपत्तियों को बेचने ध पट्टे पर देने ध किराए पर देने का प्रयास करेगी।

इन नियमोंध्नीतियों का पालन निम्नलिखित चर्चों और संस्थाओं पर लागू होगारूचर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया , मेथोडिस्ट चर्च , बैपटिस्ट चर्च, एपिस्कोपल मेथोडिस्ट चर्च, कैथोलिक चर्च, सेवेंथ डे एडवेंटिस्ट, एंग्लिकन चर्च, चर्च ऑफ साउथ इंडिया, सीरियन ऑर्थोडॉक्स एवं मलंकारा चर्च, पेंटेकोस्टल स्वतंत्र चर्च, चर्च ऑफ इंडिया, सी आई पी बी सी (आई सी टी), वॉर्डन फ्रेंडली रिलीफ ट्रस्ट, क्रिश्चियन ट्रैक्ट एंड बुक सोसाइटी, हॉलैंड हॉल एवं म्योराबाद ट्रस्ट आदि ।

यह एक नया न्यास बनाया गया जो चर्च चर्च संपत्ति में इतना घोटाला हो रहा है, उनके जमीनों को बेचा जा रहा है उसको रोका जा सके इस ट्रस्ट में सभी जाति के मेंबर्स हैं, ट्रस्ट की यह पहली मीटिंग डोसा प्लाजा में हुई स इस मीटिंग की अध्यक्षता ट्रस्ट की अध्यक्ष लिली भावना कॉलर ने किया, मीटिंग में एन बी मोंट्रोज, गाजियाबाद से डॉ राहुल उठवाल, लखनऊ से वरिष्ठ पत्रकार संजोग वाल्टर और सी आर विलियम, मिर्जापुर से जैस्मिन लाल, जयवंत लाल, प्रयागराज की सुदीपा मित्रा, धीरेन्द्र नाथ श्रीवास्तव, अबुल कलम राइन, ठाकुर शिव सागर सिंह, निशांत अग्रवाल, दिल्ली से विवेक मोंट्रोज और ट्रस्ट की सचिव डॉ रमा मोंट्रोज आदि उपस्थित रहे

सपा विधायक विजमा यादव समेत 10 आरोपियों को नोटिस

स्पेशल कोर्ट से बरी हुए, फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने डकैती, आगजनी व मारपीट के मामले बरी किए जाने के फैसले के खिलाफ दाखिल अपील पर सपा विधायक विजमा यादव समेत दस आरोपियों को नोटिस जारी किया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय एवं न्यायमूर्ति देवेंद्र सिंह की खंडपीठ ने स्पेशल कोर्ट एमपी–एमएलए के गत 10 फरवरी के निर्णय के विरुद्ध दाखिल मामले की शिकायतकर्ता शशी देवी की अपील पर दिया है।

अपील के अनुसार शशी देवी के प्रार्थना पत्र पर अदालत के आदेश पर विजमा यादव समेत दस लोगों के खिलाफ झूंसी थाने में एफआईआर दर्ज हुई थी। शशी देवी का आरोप था कि उसके पति अशोक कुमार यादव अपना इलाज कराने मुम्बई चले गए, इस कारण परिवादिनी अपने परिवार व बच्चों के साथ उस्तापुर महमूदाबाद में बने मकान पर थी एवं उसके देवर राजकुमार व अवधेश अपने परिवार के साथ गांव छतनाग वाले मकान में थे। परिवादिनी के गांव के मोहनलाल यादव की हत्या कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने कर दी थी। इस हत्या से उत्तेजित होकर मृतक के भाई मूल चन्द्र यादव, विजमा यादव, राजू यादव, ज्ञानचन्द्र यादव, अमर सिंह यादव, अशोक निषाद, लोहा सिंह, जबर सिंह, राजू, लालचन्द्र यादव, व 10–12 अज्ञात व्यक्तियों के साथ गांव छतनाग वाले मकान पर चढ़ आये और घर में घुसकर औरतों और बच्चों तथा उसके देवर राजकुमार व अवधेश को मारना पीटना शुरू कर दिया। परिवादिनी के देवर राजकुमार व अवधेश यादव गांव छोड़कर भाग गए, तब विजमा यादव ने अपने साथ आये व्यक्तियों को ललकारा कि पूरा घर लूटकर आग लगा दो। इस पर मुलजिमान ने घर में रखे जेवरात, कपड़ा, लाईसेंसी रायफल कारतूस उठा ले गये तथा घर में आग लगा दी जिससे घर में रखा करीब 140 बोरा अनाज व घरेलू सामान जलकर राख हो गया। उन्होंने परिवादिनी के उस्तापुर महमूदाबाद के घर के सामने खड़े ट्रैक्टर को भी जला दिया। दूसरे दिन पुनः विजमा विधायिका के नेतृत्व में मूलचन्द्र यादव, अरुणेन्द्र उर्फ डब्बू, ज्ञान चन्द्र यादव, जबर सिंह, अमर सिंह, राजू यादव, राजू पुत्र तुलसीराम, अशोक निषाद, लालचन्द्र तथा 15–20 व्यक्तियों के साथ आए और

उसके घर से लूटी हुई रायफल व अपने साथ लाये हुए असलहों से फायर पर करते हए परिवादिनी के दरवाजों को तोड़कर में घुस आए और परिवादिनी व उसके बच्चों को मारना पीटना व लूटपाट करना शुरू कर दिया।

उसने इसका विरोध किया तो विजमा विधायिका नें ललकारा कि इस घर में भी आग लगा दो स्वयं कमरे में रखे हुए तख्त पर मिट्टी का तेल डालकर आग लगा दिया और बच्चों को आग की तरफ ढकेलने लगी। उसने इसका विरोध किया तो मौके पर मौजूद दरोगा पदमाकर राय ने उसे मारपीट कर अपने सिपाहियों से कहा कि इसे गाड़ी में लाद लो और पकड़कर थाने ले आए तथा थाने पर भद्दी–भद्दी गालियां देने लगे तथा चार–पांच लाठी मारा। उसके टेंट हाउस व घर पर आग लगा दी तथा सम्पूर्ण घर लूट लिया, जिससे उसका 15 20 लाख रुपये का नुकसान हुआ।

बिजली निजीकरण के विरोध में कर्मचारियों का जन-जागरण अभियान शुरू, 21 मई तक चलेगा आंदोलन

लखनऊ, (आरएनएस)। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश ने प्रदेश में बिजली व्यवस्था के निजीकरण और कर्मचारियों पर कथित उत्पीड़न के विरोध में 15 अप्रैल से 21 मई 2026 तक जन–जागरण अभियान शुरू करने की घोषणा की है। समिति ने इसे "बिजली व्यवस्था बचाओकृकर्मचारी उत्पीड़न बंद करो" अभियान का नाम देते हुए प्रदेश भर में आमजन को जागरूक करने का निर्णय लिया है।समिति के पदाधिकारियों का कहना है कि प्रदेश के बिजली कर्मचारी, अभियंता और संविदा कर्मी उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा देने और बिजली व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन वर्तमान में कर्मचारियों पर बढ़ते दबाव, निजीकरण की नीतियों और कठोर प्रशासनिक निर्णयों के कारण असंतोष का माहौल है। इसी के विरोध में यह जन–जागरण अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत विभिन्न जिलों में सभाएं, जनसंपर्क और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।संघर्ष समिति ने अपनी प्रमुख मांगों में पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण के निर्णय को वापस लेने को सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा बताया है। इसके साथ ही ओबरा और अनपरा विद्युत परियोजनाओं को संयुक्त उद्यम के बजाय राज्य उत्पादन निगम को सौंपने, गंगा कैनाल जल विद्युत परियोजनाओं की लीज प्रक्रिया रद्द करने तथा ट्रांसमिशन क्षेत्र में निजीकरण की प्रक्रिया को बंद करने की मांग की गई है।समिति ने निजी कंपनियों की जवाबदेही तय करने की भी मांग उठाई है। इसमें ग्रेटर नोएडा में संचालित निजी बिजली कंपनी का लाइसेंस रद्द करने तथा आगरा में टोरेंट पावर की फ्रेंचाइजी को उपभोक्ता शिकायतों और अनुबंध उल्लंघन के आधार पर समाप्त करने की मांग शामिल है। इसके अतिरिक्त 3 दिसंबर 2022 को ऊर्जा मंत्री और शासन स्तर पर हुए लिखित समझौते को तत्काल लागू करने की मांग भी दोहराई गई है।कर्मचारी संगठनों ने वर्ष 2023 के आंदोलन के बाद की गई अनुशासनात्मक कार्यवाहियों को समाप्त करने की मांग भी उठाई है। समिति के अनुसार मार्च 2023 की सांकेतिक हड़ताल के बाद कई कर्मचारियों के निलंबन, तबादले और विभागीय कार्रवाई की गई, जिन्हें वापस लिया जाना चाहिए। साथ ही निष्कासित संविदा कर्मियों की बहाली, आउटसोर्स कर्मियों को उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम में समाहित करने और डाउनसाइजिंग के नाम पर हटाए गए कर्मियों को पुनः नियुक्त करने की मांग की गई है।समिति ने आंदोलन से जुड़े मामलों में दर्ज एफआईआर और स्टेट विजिलेंस जांच समाप्त करने, निलंबित कर्मचारियों की सम्मानजनक बहाली करने तथा दूरदराज स्थानों पर किए गए तबादलों को रद्द करने की भी मांग रखी है। इसके अतिरिक्त सेवा नियमों में किए गए उन प्रावधानों को समाप्त करने की मांग की गई है, जिनके तहत बिना जांच और बिना सुनवाई के बर्खास्तगी का प्रावधान लागू किया गया है।संघर्ष समिति ने आरोप लगाया कि फेशियल अटेंडेंस के नाम पर वेतन कटौती, विरोध सभाओं में भाग लेने पर तबादले, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से अलग होने पर कार्रवाई और बिजली कर्मियों के आवासों पर जबरन स्मार्ट मीटर लगाने जैसे कदम कर्मचारियों के उत्पीड़न का कारण बन रहे हैं। समिति ने रियायती बिजली सुविधा समाप्त करने के प्रयासों को भी रोकने की मांग की है।समिति ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि यह संघर्ष केवल कर्मचारियों का नहीं, बल्कि सस्ती और विश्वसनीय बिजली उपलब्ध कराने के अधिकार से जुड़ा मुद्दा है। उनका कहना है कि निजीकरण से बिजली दरों में वृद्धि और सेवा गुणवत्ता में गिरावट की आशंका बढ़ सकती है।

नगर निगम सफाई कर्मियों ने दी अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

6 सूत्रीय मांगों एवं बकाया भुगतान पर प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

प्रयागराज। नगर निगम के सफाई कर्मचारियों ने अपनी छह सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन कर नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपा है। सफाई मजदूर एकता मंच ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं, तो 1 मई से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी।

यूनियन की प्रमुख मांगों में महाकुंभ 2025 में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को घोषित न्यूनतम मजदूरी 20,000 रुपये का तत्काल भुगतान शामिल है। इसके अतिरिक्त, 201 ठेका सफाई कर्मियों को घोषित 10,000 रुपये के बोनस का भुगतान न होने पर भी नाराजगी व्यक्त की गई है और इसके शीघ्र भुगतान की मांग की गई है। कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। यूनियन ने सफाई कर्मचारी से सफाई नायक पद पर लंबित पदोन्नति प्रक्रिया को जल्द पूरा करने और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को कनिष्ठ लिपिक पद पर पदोन्नति शुरू करने की मांग की है। नगर निगम सीमा विस्तार के मद्देनजर कर्मचारियों को विभिन्न विभागों में समायोजित करने की भी बात कही गई है।

ज्ञापन में सफाई मजदूर एकता मंच को नगर निगम परिसर में कार्यालय के लिए उचित स्थान आवंटित करने की मांग भी उठाई गई है। साथ ही, तीन वर्षों से अधिक समय से एक ही पटल पर तैनात सफाई नायकों एवं निरीक्षकों के तबादले की भी मांग की गई है। यूनियन ने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए हेल्थ मैनुअल जारी करने और उसके अनुरूप नए कर्मचारियों की नियुक्ति की आवश्यकता पर भी जोर दिया है।यूनियन नेताओं ने स्पष्ट किया है कि यदि इन मांगों को नजरअंदाज किया गया, तो आंदोलन तेज किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि 1 मई से सफाई कार्य पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा, जिससे शहर की व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। इसकी जिम्मेदारी नगर निगम प्रशासन और शासन की होगी।

लखनऊमें संगठित ठगी गिरोह पर बड़ी कार्रवाई, गैंगस्टर एक्ट में 5.78 करोड़ की संपत्ति कुर्क

लखनऊ,(आरएनएस) ।राजधानी में संगठित अपराध के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्लॉट के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह की लगभग 5 करोड़ 78 लाख 60 हजार 250 रुपये मूल्य की चल और अचल संपत्तियों को गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क कर लिया। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त लखनऊ अमरेन्द्र सिंह सेंगर के निर्देशानुसार संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) बब्लू कुमार के निर्देशन, पुलिस उपायुक्त दक्षिणी अमित कुमार आनन्द के पर्यवेक्षण तथा अपर पुलिस उपायुक्त रल्लापल्ली बसंथ कुमार एवं सहायक पुलिस आयुक्त मोहनलालगंज विकास कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में थाना मोहनलालगंज, नगराम पुलिस और राजस्व टीम द्वारा संयुक्त रूप से की गई।पुलिस के अनुसार प्रभारी निरीक्षक मोहनलालगंज ब्रजेश कुमार त्रिपाठी एवं थानाध्यक्ष नगराम विवेक कुमार चौधरी के नेतृत्व में गैंग लीडर प्रमोद कुमार उपाध्याय तथा गैंग सदस्य विनोद कुमार उपाध्याय की संपत्तियों को गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के अंतर्गत कुर्क किया गया। गिरोह में मदन राम, ओंकारनाथ पाण्डेय तथा सीमा उपाध्याय भी सदस्य के रूप में शामिल बताए गए हैं। सभी अभियुक्त मूल रूप से जनपद बलिया के निवासी हैं, जबकि वर्तमान में लखनऊ के बिजनौर क्षेत्र स्थित ओमेक्स सिटी में निवास कर रहे थे।पुलिस जांच में सामने आया कि अभियुक्तगण संगठित गिरोह बनाकर भोले–भाले लोगों को आवासीय योजनाओं में प्लॉट दिलाने के नाम पर झांसा देते थे। यह लोग स्वयं को प्रतिष्ठित रियल एस्टेट कंपनी का प्रतिनिधि बताकर लोगों को आकर्षक ऑफर देते थे और उन्हें फर्जी या विवादित भूमि दिखाकर रजिस्ट्री करवा देते थे। रजिस्ट्री होने के बाद पीड़ितों को पता चलता था कि भूमि या तो अस्तित्व में नहीं है या अभियुक्तों का उस पर कोई स्वामित्व नहीं है। इसके बाद धन वापसी के नाम पर लगातार टालमटोल की जाती थी और विरोध करने पर पीड़ितों को धमकाया भी जाता था।विशेष रूप से यह गिरोह सेना एवं अर्द्धसैनिक बलों के कर्मियों को निशाना बनाता था। उनकी ड्यूटी संबंधी व्यस्तताओं का लाभ उठाते हुए अभियुक्त उन्हें सीमित समय में भूमि दिखाकर रजिस्ट्री करवा देते थे। इस प्रकार योजनाबद्ध तरीके से अनेक लोगों को धोखा देकर गिरोह ने अवैध रूप से बड़ी मात्रा में धन अर्जित किया। वर्ष 2020 से अब तक थाना मोहनलालगंज, पीजीआई, सरोजनीनगर, कैण्ट और आशियाना क्षेत्रों में इस गिरोह के विरुद्ध कुल 66 मुकदमे दर्ज किए जा चुके हैं, जिनमें हत्या के प्रयास का मामला भी शामिल है। इस संबंध में थाना मोहनलालगंज में गैंगस्टर अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत किया गया है, जिसकी विवेचना थाना नगराम द्वारा की जा रही है।न्यायालय के आदेश के अनुपालन में 16 अप्रैल 2026 को ओमेक्स सिटी, औरंगाबाद, बिजनौर क्षेत्र स्थित प्लॉट संख्या ।–21ध्–21 (अनुमानित कीमत लगभग 3 करोड़ 62 लाख 81 हजार 250 रुपये) तथा एक अर्धनिर्मित मकान (अनुमानित कीमत लगभग 1 करोड़ 70 लाख 79 हजार रुपये) को कुर्क किया गया। इसके अतिरिक्त अभियुक्तों के स्वामित्व वाले तीन वाहनोंकृएक टोयोटा इनोवा, एक मारुति स्विफ्ट और एक महिंद्रा बोलेरोकृको भी कुर्क किया गया, जिनकी कुल अनुमानित कीमत लगभग 45 लाख रुपये आंकी गई है।कुर्की की कार्रवाई के दौरान मौके पर पहुंचकर संपत्तियों की दीवारों एवं प्रमुख स्थानों पर पेंट के माध्यम से कुर्की की सूचना अंकित की गई तथा उपस्थित लोगों को न्यायालय के आदेश की जानकारी दी गई।

वायरल वीडियो प्रकरण में एसडीओ अमित कुमार निलंबित, मंत्री ए.के. शर्मा ने दिए सख्त कार्रवाई के निर्देश

लखनऊ, (आरएनएस)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने सोशल मीडिया पर प्रसारित एसडीओ अमित कुमार के कथित वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए तत्काल कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शंभू कुमार से वार्ता कर मामले की गहन जांच कराते हुए सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।मंत्री के निर्देशों के अनुपालन में प्रबंध निदेशक शंभू कुमार द्वारा उपखंड अधिकारी (एसडीओ) अमित कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। साथ ही उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई भी प्रारंभ कर दी गई है।इस संबंध में मुख्य अभियंता, आजमगढ़ द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद मऊ के डिवीजन प्रथम में तैनात एसडीओ द्वितीय अमित कुमार के विरुद्ध वायरल आपत्तिजनक वीडियो के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए निलंबन की कार्रवाई की गई है।

भूमिहीन खेतिहर मजदूरों में भूमि आवंटन को लेकर प्रदर्शन कल

प्रयागराज। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के तत्वावधान में भूमिहीन खेतिहर मजदूरों में भूमि आवंटन हेतु यमुनापार की तहसील बारा स्थित सैकड़ो गांवों के लोग ग्रामसमज की जमीन भूमिहीनों से मुक्त करवाकर भूमिहीनों में आवंटित किए जाने के बाबत 18 अप्रैल को कार्यालय उप जिलाधिकारी बारा के समक्ष धरना प्रदर्शन व अनशन रखा गया है।आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के जिला महामंत्री आईपी रामबृज ने बताया कि जैसा कि आप सब जानते हैं कि देश की आजादी के 78 साल बाद और भारतीय संविधान लागू होने के 76 साल बाद एक ओर जहां संविधान के अनुच्छेद 17 अस्पृश्यता व छुआछूतमुक्त भारत देश के साथ संविधान के अनुच्छेद 15 जातिविहीन भारत देश का निर्माण व संविधान के अनुच्छेद 39 (ख) जमीन और उद्योगों के राष्ट्रीयकरण के साथ–साथ संविधान के अनुच्छेद 13 रूढ़िवादी प्रथा को समाप्त कर वैज्ञानिकता पर आधारित समाज निर्माण करना है। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के अनु सचिव के निर्देशों के अनुपालनार्थ हेतु आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के बैनर तले 18 अप्रैल को पूर्वाह्न 11 बजे से कार्यालय उप जिलाधिकारी बारा के समक्ष प्रदर्शन या अनशन तब तक किया जाता रहेगा जब तक कि तहसील प्रशासन भूमाफियाओं द्वारा कब्जा की गई ग्रामसमाज की भूमि मुक्त करवाकर भूमिहीन खेतिहर मजदूरों में आवंटित नहीं करवा देता क्योंकि गेहूं की फसल की कटाई से प्रत्येक गांव की कब्जा की गई ग्राम समाज की भूमि खाली है।

चिलचिलाती धूप ने किया बेहाल, पारा 40 के पार

स्कूली बच्चों और अभिभावकों की बढ़ी मुश्किलें

प्रयागराज। जिले में बीते एक सप्ताह से पड़ रही तेज गर्मी ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया है। सुबह से ही कड़ी धूप पड़ने लगती है और ऐसा महसूस होता है मानो आसमान से आग बरस रही हो। अप्रैल महीने में ही तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है और पिछले तीन दिनों से पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार बना हुआ है।तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा छाया रहता है। जो लोग बाहर निकलते भी हैं, वे धूप से बचने के लिए गमछा, छाता और पेड़ों की छांव का सहारा लेते नजर आते हैं। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों को हो रही है। दोपहर में छुट्टी होने के कारण बच्चों को तेज धूप में घर लौटना पड़ रहा है, जिससे वे काफी परेशान दिख रहे हैं। अभिभावक भी बच्चों को लेने जाते समय धूप से बचने की कोशिश करते नजर आए।बच्चों को गर्मी से बचाने के लिए अभिभावक कई उपाय कर रहे हैं। कोई बच्चों को टोपी और छाता दे रहा है, तो कोई पानी की बोतल, ग्लूकोज और फुल स्लीव कपड़े पहनाकर स्कूल भेज रहा है। वहीं, कुछ बच्चों ने स्कूल की टाइमिंग बदलने और परिसर में वाटर कूलर की व्यवस्था करने की मांग की है। बच्चों का कहना है कि तेज धूप में उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

तेरहवीं कार्यक्रम में फायरिंग के घायल की मौत, गांव में तनाव के बीच अंतिम संस्कार

परिजनों ने मुआवजा व कार्रवाई की मांग को लेकर किया विरोध प्रशासन के समझाने पर हुआ दाह संस्कार

बल्दीराय/सुल्तानपुर (आरएनएस)। थाना क्षेत्र के बिघौली गांव में तेरहवीं कार्यक्रम के दौरान हुई फायरिंग में घायल दिलीप कुमार की इलाज के दौरान मौत हो गई। गुरुवार को गांव में तनावपूर्ण माहौल के बीच प्रशासन की मौजूदगी में उनका अंतिम संस्कार कराया गया। जानकारी के अनुसार 9 अप्रैल की रात तेरहवीं निमंत्रण को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद आरोपियों ने फायरिंग कर दी। इस घटना में दिलीप कुमार सहित पांच लोग घायल हो गए थे। गंभीर हालत में दिलीप को लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया था, जहां 16 अप्रैल को उनकी मौत हो गई। शव गांव पहुंचते ही परिजनों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी, बुलडोजर कार्रवाई, 50 लाख रुपये मुआवजा, सरकारी नौकरी और शस्त्र लाइसेंस की मांग को लेकर अंतिम संस्कार से इनकार कर दिया। सूचना पर पहुंचे नायब तहसीलदार गुलाब सिंह व क्षेत्राधिकारी आशुतोष कुमार ने परिजनों से वार्ता की। अधिकारियों के आश्वासन और काफी समझाने–बुझाने के बाद परिजन माने और अपनी मांगों को लिखित रूप में सौंपते हुए अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए। क्षेत्राधिकारी आशुतोष कुमार ने बताया कि मामले में मृत्योपरांत धारा 302 बढ़ा दी गई है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। वहीं नायब तहसीलदार ने कहा कि पीड़ित परिवार की मांगों को उच्चाधिकारियों तक पहुंचाकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

राम विवाह की कथा सुन भाव विभोर हुए श्रोता

लम्भुआध्सुल्तानपुर(आरएनएस)। स्थानीय क्षेत्र के चौकिया गाँव में नव दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा के पांचवे दिन कथा आचार्य पंडित राकेश जी महराज ने भगवान राम विवाह का मधुर वाचन किया।

गुरु वशिंष्ठ के साथ राम लक्मण का राजा जनक के यहाँ आयोजित धनुष यज्ञ में भाग लेने जाने की कथा का वर्णन किया। माता जानकी के गौरी पूजन के समय प्रभु राम के मोहक स्वरुप का सखियों द्वारा बताये जाने का महराज जी विस्तार से व्याख्या की। कथा क्रम को आगे बढ़ाते हुए महराज जी ने कहाँ की सब राजकुमारो और राजा के धनुष उठा पाने में असमर्थ रहने और और राजा जनक की पीड़ा देख गुरु के आदेश पर राम चंद्र जी ने एक झटके में धनुष को खंडित कर मिथिलाधीश की चिंता का निवारण किया। रामकथा वेत्ता राकेश जी द्वारा ऋषि परशुराम के क्रोधा और भगवान राम के विनय का रोचक वर्णन किया। कथा के बाद राम विवाह के उत्सव का आयोजन किया गया जिसमे महिलाओ ने माँ जानकी के पाव का पूजन किया गया। आचार्य धन्यजय जी ने विवाह गीत की सुन्दर प्रस्तुति की। मुख्य यजमान राम जन पाण्डेय और विमला देवी द्वारा आरती की गई।राम कथा में मुख्य रूप से लम्भुआ विधानसभा केपूर्व विधायक देवमणि दुबे, माताप्रसाद सिंह सत्य नारायण दुबे बालमुकुंद विश्वकर्मा लाल साहब बृज मोहन सिंह कमलाकांत पाण्डेय, राम चंद्र सिंह, माता प्रसाद सिंह, राम कृष्ण पाण्डेय, प्रभव पाण्डेय,अनय पाण्डेय अवनीश सिंह समेत बड़ी सख्या में कथा प्रेमी मौजूद थे।

ग्राम भारती के बच्चों ने सीबीएसई बोर्ड मे लहराया परचम

धम्मौर सुलतानपुर(आरएनएस)। सरस्वती शिक्षा मंदिर ग्राम भारती के छात्रों ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। परिणाम में छात्रा कृतिका सिंह ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं उज्जवल यादव ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान पाया। छात्र रुद्र प्रताप सिंह ने 91 प्रतिशत अंक हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के 22 छात्र–छात्राओं ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों की संख्या भी उल्लेखनीय रही। इस अवसर पर विद्या भारती के संगठन मंत्री हेमचंद्र व डा० डा० राम मनोहर जी, प्रदेश निरीक्षक राज बहादुर दीक्षित के साथ ही परतोष चौकी प्रभारी विपिन बिहारी सिंह व प्रधानाचार्य विवेक शर्मा ने सफल छात्र–छात्राओं को माला पहनाकर व मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। उन्होंने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगे भी इसी तरह मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण, अभिभावक एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

चिल्ड्रेन स्कूल के छात्र-छात्राओं का परचम, बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन

सुल्तानपुर(आरएनएस)। बल्दीराय के रसूलपुर स्थित सीबीएसई बोर्ड से संचालित रामरती मेमोरियल चिल्ड्रेन स्कूल के छात्र–छात्राओं ने बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यार्थियों की सफलता ने क्षेत्र में खुशी का माहौल बना दिया है। विद्यालय के मेधावी छात्र–छात्राओं में करन वर्मा ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं साक्षी ने 90.6 प्रतिशत, अंशुमान मौर्य ने 90.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इसके अलावा विभा श्रीवास्तव (88), अभिषेक मौर्य (86.6), आलोक विश्वकर्मा (86.2), अभिषेक यादव (86.2), मिर्जा अहजम बेग (81.2), सकीबुल हसन (80.6) तथा सृष्टि यादव (79.6) ने भी उत्कृष्ट अंक हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

ग्राम सभा की जमीन पर अवैध कब्जा का आरोप

जौनपुर(आरएनएस)। सिरकोनी ब्लॉक के बदलपुर गांव में ग्राम सभा की बंजर जमीन पर एक अधिवक्ता ने अवैध कब्जा कर लिया है।गुरुवार को ग्राम प्रधान संजय सिंह के नेतृत्व में ग्रामीणों ने उक्त अधिवक्ता पर सरकारी संपत्ति पर कब्जा करने,फर्जी दस्तावेज बनाने और धमकाने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र शिकायत की है। बदलपुर गांव निवासी ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि गांव के गाटा संख्या 276 की बंजर भूमि पर सुजीत कुमार यादव पुत्र श्यामनाथ यादव ने अवैध कब्जा कर निर्माण कर लिया है। यह भूमि ग्राम सभा की है। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, आरोपी सुजीत कुमार यादव पेशे से अधिवक्ता हैं और कानून का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन पर ग्रामीणों की जमीनों पर भी फर्जी कागजात बनाकर कब्जा जमाने का आरोप है।ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि सुजीत कुमार यादव उन्हें घरों को गिराने की धमकी दे रहे हैं और नए निर्माण में बाधा डाल रहे हैं। वह ग्रामीणों को झूठे मुकदमों में फंसाकर जेल भेजने और उनके घर गिराने की धमकी भी देते हैं, यदि वे शिकायत करते हैं।ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से इस मामले में स्वतः संज्ञान लेने, सुजीत कुमार यादव के खिलाफ सरकारी संपत्ति पर अवैध कब्जा, फर्जी कागजात बनाने और धमकी देने के आरोप में एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने दोषी के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई और उच्च–स्तरीय जांच पूरी होने तक उनके अधिवक्ता पेशे पर रोक लगाने की भी अपील की है।

ग्राम पंचायत के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार सीज

सुल्तानपुर। करौंदीकला विकास खंड की ग्राम पंचायत कम्मरपुर में शासकीय धनराशि के कथित अनियमित भुगतान का मामला अब प्रशासनिक कार्रवाई तक पहुंच गया है। शिकायत मिलने के बाद अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। कम्मरपुर निवासी धर्मेन्द्र कुमार तिवारी ने आईजीआरएस पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कर ग्राम पंचायत में सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप लगाया। शिकायत में कहा गया कि ग्राम प्रधान ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए अपने करीबी व्यक्ति की फर्म को नियमों के विरुद्ध भुगतान कराया। प्रारंभिक जांच में ग्राम प्रधान मनोज तिवारी की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। इसके बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर ग्राम पंचायत के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकारों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। डीपीआरओ ने बताया कि मामले की निष्पक्ष जांच के लिए उपायुक्त (स्वतः रोजगार) सुल्तानपुर और अधिशासी अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि पूरे प्रकरण की गहराई से जांच कर शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

आयुक्तने भ्रमण कर विकास कार्यो एवं कानून-व्यवस्था का लिया जायजा

सुलतानपुर (आरएनएस)। मण्डलायुक्त ने जिलाधिकारी कुमार हर्ष, पुलिस अधीक्षक चारु निगम की उपस्थिति में सलामी (गार्ड ऑफ ऑनर) ग्रहण की। तत्पश्चात उन्होंने अधिकारियों के साथ जनपद की कानून–व्यवस्था एवं महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं पर संक्षिप्त चर्चा की।

भ्रमण के अगले चरण में मण्डलायुक्त थाना गोसाईगंज पहुँचे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निम्न बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया, निर्माणाधीन भवनः थाने में बन रहे नवीन भवन के निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर एवं मानकों के अनुरूप पूर्ण किया जाए। थाना परिसर का अवलोकनः थाना कार्यालय, बैरक एवं मेस का निरीक्षण कर साफ–सफाई तथा अभिलेखों के रख–रखाव की स्थिति का जायजा लिया। मण्डलायुक्त ने निर्देशित किया कि थाने पर आने वाले फरियादियों की समस्याओं का त्वरित एवं न्यायपूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान मण्डलायुक्त ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप विकास कार्यों में पारदर्शिता एवं पुलिस प्रशासन में संवेदनशीलता अनिवार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नहीं होगी।इस अवसर पर जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

महिलाओं को 33 आरक्षण देकर मोदी सरकार ने दिया ऐतिहासिक अधिकार

सुलतानपुर(आरएनएस)। केएनआईपीएसएस प्रबंधन संस्थान की निदेशक डॉ. इन्द्रजीत कौर ने मोदी सरकार द्वारा पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम बताया है। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम भारत की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान न केवल उनके प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करेगा, बल्कि नीति निर्माण और निर्णय प्रक्रिया में उनकी प्रभावी भागीदारी भी तय करेगा।

डॉ. कौर ने कहा कि वर्ष 2023 में संसद द्वारा पारित यह विधेयक लंबे समय से चली आ रही उस कमी को दूर करेगा, जिसमें महिलाओं की संख्या विधानमंडलों में अपेक्षाकृत कम रही है। अब महिलाओं की आवाज अधिक मजबूती से उठेगी और उनके मुद्दों को उचित स्थान मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि यह अधिनियम केवल राजनीतिक भागीदारी तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और रोजगार जैसे अहम क्षेत्रों में भी महिलाओं की भूमिका को सशक्त करेगा। इससे समाज में लैंगिक समानता को बढ़ावा मिलेगा और देश के लोकतंत्र को नई मजबूती प्राप्त होगी। डॉ. इन्द्रजीत कौर ने विश्वास जताया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम आने वाले समय में भारत के सामाजिक और राजनीतिक ढांचे में सकारात्मक और व्यापक परिवर्तन लाएगा।

मा0 आयुक्तमहोदय अयोध्या मण्डल अयोध्या की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत मिश्रौली, वि0ख0 जयसिंहपुर में 'ग्राम चौपाल' का हुआ सफल आयोजन।

सुलतानपुर मण्डलायुक्त अयोध्या मण्डल, अयोध्या श्री राजेश कुमार का जनपद भ्रमण के दौरान निरीक्षण भवन लोक निर्माण विभाग, सुलतानपुर में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया तथा जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक व मुख्य विकास अधिकारी महोदय द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। तत्पश्चात मा0 आयुक्त महोदय द्वारा मा0 जनप्रतिनिधिगण–मा0 भाजपा जिलाध्यक्ष श्री सुशील कुमार त्रिपाठी, मा0 विधान परिषद सदस्य श्री शैलेन्द्र प्रताप सिंह, मा0 विधायक कादीपुर श्री राजेश गौतम सहित अन्य जनप्रतिनिधिगणों की उपस्थिति में बैठक का आयोजन किया गया। तत्पश्चात मा0 आयुक्त महोदय अयोध्या मण्डल की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत मिश्रौली, वि0ख0 जयसिंहपुर में 'ग्राम चौपाल' का आयोजन जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। ग्राम चौपाल में विभिन्न विभागों–बेसिक शिक्षा, पशुपालन विभाग, कृषि रक्षा विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन, पंचायती राज विभाग, खाद एवं रसद विभाग आदि के स्टॉलों का अवलोकन कर उनके द्वारा प्रदर्शित उत्पादों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गयी। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा लगाये गये स्टॉल पर गोद भराई का कार्यक्रम भी उनके द्वारा किया गया। उक्त चौपाल में ग्राम प्रधान द्वारा मा0 मण्डलायुक्त महोदय का पुष्पगुच्छ व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। डीसी एनआरएलएम द्वारा मंच का संचालन करते हुये ग्राम पंचायत मिश्रौली में किये जा रहे विकास कार्यों से मा0 मण्डलायुक्त महोदय को अवगत कराया गया। किसान सम्मान निधि, बाल पोषाहार, शिशु टीकाकरण, मिड डे मील, पशु टीकाकरण, सामाजिक सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत पेंशन आदि विभिन्न योजनाओं के लाभ से ग्राम वासियों को लाभान्वित किया जा रहा है से अवगत कराया गया। मा0 मण्डलायुक्त महोदय द्वारा जन समान्य से विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत मिलने वाले लाभ के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी। जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर जल की लाइन व पानी पंहुचाने मे विलम्ब के कारण को जाना गया तथा एक्सईन जल जीवन मिशन को निर्देशित किया गया कि 1 माह में सभी घरों मे जलापूर्ति सुनिश्चित की जाय। मा0 मण्डलायुक्त महोदय द्वारा उपस्थित सभी जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि चौपाल में रुक कर आम जनमानस की समस्याओं का त्वरित निस्तारण आज ही किया जाय, जिन समस्याओं का निस्तारण त्वरित नहीं हो सकता है उनको सभी अधिकारी चिन्हित कर एक सप्ताह अन्दर निस्तारण कर मुख्य विकास अधिकारी महोदय के माध्यम से हमें अवगत करायेंगे। मा0 मण्डलायुक्त महोदय द्वारा अपने सम्बोधन में केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजनमानस को उपलब्ध कराने की बात कही।

अंबेडकर की प्रतिमा खंडित करने से चक्का जाम

जौनपुर (आरएनएस)। केराकत थाना क्षेत्र के कुसरना बकुलिया गांव में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा खंडित कर दी गई है। यह घटना 15 अप्रैल की रात को हुई, जिसका पता गुरुवार सुबह चला। इस घटना से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।ग्रामीणों ने बताया कि प्रतिमा की आंख के ऊपरी हिस्से को क्षतिग्रस्त किया गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि प्रतिमा स्थल के ठीक सामने एक पुलिस चौकी भी स्थित है। इसके बावजूद असामाजिक तत्वों ने इस वारदात को अंजाम दिया। इस घटना के विरोध में ग्रामीणों ने केराकत से खुज्जी मोड़ मार्ग पर एक घंटे तक चक्काजाम कर दिया। इसके कारण करीब एक किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।स्थानीय लोगों के अनुसार, जनपद में डॉ. अंबेडकर की प्रतिमाओं को खंडित करने की ऐसी घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं, जिससे असामाजिक तत्वों का मनोबल बढ़ा है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्रामीण दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे थे।

फोटो 02जेएनपी।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से लोकतंत्र होगा मजबूत

जौनपुर।(आरएनएस) भारतीय जनता पार्टी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में भाजपा कार्यालय पर विधानसभा स्तरीय नारी सम्मेलन का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व गृहराज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों, सम्मान और राजनीतिक भागीदारी को सशक्त बनाने के प्रति जागरूकता फैलाना था। भारतीय जनता पार्टी ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लगातार काम किया है।उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं का उल्लेख किया, जिन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनमें उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और मातृत्व वंदना योजना जैसी पहलें शामिल हैं, जो महिलाओं के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध हुई हैं। प्रधानमंत्री द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर एक विशेष सत्र बुलाया गया है। यह कदम महिला सशक्तिकरण के प्रति सरकार की गंभीरता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम के माध्यम से महिलाओं को विधायिका में उचित प्रतिनिधित्व मिलेगा, जिससे लोकतंत्र और अधिक मजबूत होगा। इस मौके पर शशि मौर्य,सीमा प्रजापति,आशा प्रमिला समेत सैकड़ों महिला शक्ति उपस्थित रही।

फोटो 01जेएनपी।

आग से चार सौ बोझ गेहू जलकर राख

जौनपुर(आरएनएस)। सदर तहसील क्षेत्र के सिरकोनी विकास खण्ड के परियावा गांव में बुधवार की रात को आग से 400 बोझ गेहू की फसल जलकर राख हो गयी।ग्रामीणों ने किसी प्रकार आग पर काबू पाया। आग किसी द्वारा लगाए जाने की संभावना जताई जा रही है। उक्त गांव निवासी प्रेमशंकर सिंह के खेत मे गेहू की फसल काटकर रखी हुई थी।रात को करीब 10 बजे गेहू के बोझ से आग की लपटें निकलने लगी।यह देख गांव के लोग भाग कर खेत मे पहुंचे।लेकिन तब तक आग ने। विकराल रूप ले लिया।गेहू की फसल जलकर राख हो गयी।घटना से किसान के।परिवार हाहाकर मच गया।किसान के परिवार के लोगो की माने तो जहां पर गेहू की फसल रखी हुई थी।वहां पर विद्युत तार भी नही था।जिससे शॉर्टसर्किट से आग लगने की बात हो। किसी व्यक्ति ने दुष्मनी के कारण गेहू के बोझ में आग लगाया है।

मारपीट के सात आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर(आरएनएस)। जफराबाद थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में गुरुवार को अलग अलग विवाद व मारपीट में पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार कर लिया।सभी का चालान भेज दिया गया।क्षेत्र के पौना गांव में जमीन बटवारे को लेकर लाल साहब यादव व सूबेदार यादव पुत्रगण स्वर्गीय इंद्रजीत यादव तथा वीरेंद्र यादव पुत्र दुर्गाप्रसाद यादव के बीच विवाद तथा मारपीट हो गयी।घटना की सूचना पर थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश शुक्ल मय फोर्स मौके पर पहुंचकर तीनो को हिरासत में ले लिया।इसी प्रकार सरैया गांव में विवादित जमीन पर निर्माण करने पर मारपीट हो गयी।

नारी शक्तिवंदन के प्रति जागरूकता के लिए निकली पदयात्रा

जौनपुर(आरएनएस)। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से नारी शक्ति वंदन के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से गुरुवार को एक विशाल पदयात्रा निकाली गई। इस पदयात्रा में विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं, शिक्षकों और स्थानीय नागरिकों ने भारी संख्या में भाग लिया, जो महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के संकल्प को दर्शाता है। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक श्रीमती सुषमा पटेल ने नारी शक्ति वंदन पर अपना बयान देते हुए कहा, ष्नारी शक्ति वंदन न केवल एक अभियान है, बल्कि समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान की संस्कृति को मजबूत करने का माध्यम है। प्रत्येक व्यक्ति को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए, ताकि नारी शक्ति का वंदन हर घर, हर गली में गूंजे।ष् उन्होंने कहा कि पहली बार केंद्र की सरकार ने महिलाओं के हितों के लिए यह कदम उठाया है, जो कि सराहनीय कदम है। कुलसचिव केश लाल ने कहा कि विश्वविद्यालय इस तरह के जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक मूल्यों को मजबूत करने के प्रति प्रतिबद्ध है। नारी शक्ति वंदन जैसे प्रयास विद्यार्थियों में नैतिकता और सम्मान की भावना विकसित करेंगे। यह विद्यार्थियों को दायित्व के साथ साथ कर्तव्यबोध भी कराता है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद सिंह ने कहा, ष्शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि समाज–सेवी बनाना है। यह पदयात्रा छात्रों को नारी सम्मान के प्रति जागरूक करने का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।ष् उन्होंने वहां उपस्थित सभी लोगों ने 9667173333 नंबर पर मिस्ड काल कर भारत सरकार की वेबसाइट पर नारी शक्ति वंदन के पक्ष में अपना समर्थन दिया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अभियान के तहत यह पदयात्रा मुख्य द्वार से होते हुए परिसर में भ्रमण किया।

स्कूल में संस्थापक की प्रतिमा का अनावरण

जौनपुर(आरएनएस)। शहर के हुसैनाबाद स्थित वेद कॉन्वेंट स्कूल परिसर में विद्यालय के संस्थापक एवं वालीबॉल के राष्ट्रीय खिलाड़ी वेद प्रकाश श्रीवास्तव 'बमबम' की प्रतिमा का भव्य अनावरण किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, शिक्षक, छात्र–छात्राएं एवं क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे और सभी ने उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष दिनेश टंडन तथा विशिष्ट अतिथि राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के पूर्व अध्यक्ष राकेश कुमार श्रीवास्तव ने प्रतिमा का अनावरण कर महान व्यक्तित्व को याद किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि स्व. वेद प्रकाश श्रीवास्तव 'बमबम' ने शिक्षा और खेलकूदोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया।

बिहार में विकास संबंधी चुनौतियों को अवसरों में बदलना होगा नए सम्राट को!

बिहार में 26 साल पहले हुए राज्य विभाजन के बाद औद्योगिक आधार छोटा हुआ है, क्योंकि अधिकांश बड़े उद्योग–धंधे झारखंड के हिस्से में चले गए। ततपश्चात छोटे और कुटीर उद्योग, हस्तशिल्प, कृषि आधारित उद्योग तकनीकी पिछड़ेपन और वित्तीय अभाव के कारण इनका समग्र विस्तार नहीं हो पा रहे हैं। बिहार के नए सम्राट को फूलों की सेज नहीं, बल्कि कांटों का ताज मिला है। चाहे पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हों, या पूर्व मुख्यमंत्री दम्पत्ति लालू प्रसाद और राबड़ी देवी, कभी भी चौन पूर्वक राज नहीं कर सके। लिहाजा, मौजूदा मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को भी उन जातीय और साम्प्रदायिक चुनौतियों से जूझना होगा, जो बिहार के विकास में शुरू से ही बाधक समझी गई हैं। लेकिन जिस प्रकार से आधुनिक बिहार के निर्माता और प्रथम मुख्यमंत्री श्री कृष्ण सिन्हा को कांग्रेस के सहयोग से लंबे समय तक राज करते हुए जनसेवा का मौका मिला, वैसी ही मौजूदा मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को भाजपा के सहयोग से जनसेवा का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा भी है कि पार्टी ने उन्हें पद नहीं, जनसेवा का अवसर दिया है, इसलिए विकास, सुशासन और समृद्धि उनके शासन का मूलमंत्र होगा।बिहार के आर्थिक विश्लेषक बताते हैं कि बिहार के विकास में श्रीकृष्ण सिन्हा के बाद नीतीश कुमार ने एक बड़ी रेखा खींचने की कोशिश की, प्रगति नजर भी आई, लेकिन महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश और हाल के वर्षों में उत्तरप्रदेश के विकास को देखा जाए तो अब भी बिहार के विकास में कई बड़ी बड़ी चुनौतियाँ बाकी हैं, जो आंकड़ों और राज्य की सामाजिक आर्थिक स्थिति को देखने पर साफ दिखती हैं। इसलिए भाजपा की सरकार के सुलझे हुए और समावेशी प्रवृति वाले मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को भी बिहार के समग्र विकास के लिए निम्नलिखित चुनौतियों से जूझना होगा। लेकिन अपने मृदु स्वभाव से वे एक एक करके इनसे पार पा जाएंगे, ऐसा मुझे दृढ़ विश्वास है।आंकड़े बताते हैं कि बिहार, भारत के सबसे कम आय वाले राज्यों में शुमार है, जहां गरीबी दर अभी भी काफी ऊँची है और रोजगार की गुणवत्ता कमजोर है। समझा जाता है कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में निवेश कम होने के कारण यहां की "मानव पूंजी" कमजोर है– साक्षरता और स्किल लेवल अभी भी देश के स्तर से काफी नीचे हैं, जिससे युवाओं को अच्छे रोजगार के अवसर मिलने में दिक्कत होती है। ऐसे में यदि अपराध, जातीय सोच और सांप्रदायिक मिजाज को हतोत्साहित करके इन लक्ष्यों को पाया जा सकता है। इसके लिए अप्रवासी बिहारियों और बिहार मूल के एनआरआई को आकर्षित करने वाली योजनाओं को बनाना होगा और उनपर दृढ़तापूर्वक अमल करना होगा।भारत खबर अपडेटदूसरा, कृषि पर अत्यधिक निर्भरता के चलते उत्पादकता बढ़ाने पर देना होगा ध्यानयद्यपि हार की आबादी का बड़ा हिस्सा अभी भी कृषि पर निर्भर है, लेकिन उत्पादकता और आय दोनों ही अपेक्षाकृत कम हैं। ऐसा इसलिए कि उत्तर बिहार 4 महीना बाढ़ से आक्रांत रहता है और तभी दक्षिण बिहार सूखा से जूझ रहा होता है। खेती और बागवानी यहां पर होती तो है, लेकिन भंडारण सुविधाएँ, बाढ़ प्रबंधन, सिंचाई व्यवस्था, जलवायु परिवर्तन और बारहमासी सिंचाई की सीमित पहुँच जैसे कारकों के कारण कृषि अभी भी बहुत जोखिम भरी और कम लाभ वाली काम साबित होती है। लिहाजा किसानों और मजदूरों के बच्चे परदेश कमाने चले जाते हैं और अपनी उद्यमिता से सबको सुख पहुंचाते हैं। तीसरा, औद्योगिक विकास और निवेश की दिक्कत सबसे बड़ी अड़चन बिहार में 26 साल पहले हुए राज्य विभाजन के बाद औद्योगिक आधार छोटा हुआ है, क्योंकि अधिकांश बड़े उद्योग–धंधे झारखंड के हिस्से में चले गए। ततपश्चात छोटे और कुटीर उद्योग, हस्तशिल्प, कृषि आधारित उद्योग तकनीकी पिछड़ेपन और वित्तीय अभाव के कारण इनका समग्र विस्तार नहीं हो पा रहे हैं। इस स्थिति को बदलना होगा। इस कारण और निजी निवेश की दृष्टि से बिहार अभी भी "निवेश अनुकूल" राज्यों की पहली पंक्ति में नहीं है, बल्कि तेजी के साथ उद्योग बढ़ाने की चुनौती बरकरार है। ऐसे में भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व और राज्य नेतृत्व को चाहिए कि वह महाराष्ट्र और गुजरात की तर्ज पर बिहार–उत्तरप्रदेश में औद्योगिक विकास की गति तेज करे, क्योंकि इन दोनों राज्यों में औद्योगिक रफ्तार तेज होने से लुक ईस्ट की विदेश नीति को मजबूत आधार मिलेगा।चौथा, बुनियादी ढांचा और शहरीकरण में निवेश और विस्तारबिहार में सड़क नेटवर्क, बिजली, जल सुविधा, नालियाँ, जनस्वास्थ्य और शहरी बुनियादी ढांचा अभी भी प्रमुख रूप से कमजोर जगह बनी हुई हैं। चाहे स्थापित शहर हों या कस्बाई शहर, यहां शहरीकरण बहुत धीमी गति से हो रहा है, जिससे औद्योगिक सेवा अर्थव्यवस्था को उतना बल नहीं मिल पा रहा जितना दूसरे विकसित राज्यों में मिला है। इसलिए नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को इस ओर विशेष ध्यान देना होगा, क्योंकि रोजगार के सृजन में इस क्षेत्र का बड़ा इगड6 होता है।पांचवां, जनस्वास्थ्य और सार्वजनिक सेवाएँ बेहतर करनाबिहार के शहरी इलाकों की अपेक्षा ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाएँ बेहद कमजोर हैं– खासकर डॉक्टर आबादी अनुपात कम, स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या पर्याप्त नहीं है और कुपोषण जैसी समस्याएँ अभी भी गंभीरबनी हुई हैं। इसी तरह पीडीएस (च्वै), राशन, योजनाओं के वितरण में धांधली, रिसाव और कार्यान्वयन की कमजोरी विकास के लाभों को गरीबों तक पहुँचने से रोकते हैं। इस स्थिति में अमूलचूल बदलाव लाना होगा, ताकि स्थिति बदले।

छठा, शासन, भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था पर कम ध्यान बिहारी में जब भी नेतृत्व परिवर्तन होता है तो शासन, भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था में बदलाव की उम्मीदें बंधती हैं, लेकिन बाद में सबकुछ पुराने ढर्रे पर चलने लगता है। अब इस स्थिति को बदलना होगा। क्योंकि कई रिपोर्टों में बिहार को भ्रष्टाचार, निष्पक्ष नियोजन और प्रशासनिक दक्षता की दिक्कत से जूझता हुआ देखा गया है, जिससे बजट का अच्छे तरीके से उपयोग होना मुश्किल होता है। वहीं, कानून व्यवस्था और न्यायिक प्रक्रियाओं में देरी निवेशक और नागरिक दोनों के लिए चिंता का मुद्दा है। इसलिए नए मुख्यमंत्री को इसे समझना होगा और विशेष टास्क फोर्स का गठन कर इस स्थिति को बदलना होगा। इसी में बिहार का हित निहित है।

सातवां, क्षेत्रीय असमानता और जाति धर्म की संवेदनशील राजनीति अनुभव बताता है कि बिहार में अलग अलग जिलों के बीच विकास का अंतर बड़ा हैय कुछ शहर आगे बढ़ रहे हैं तो बहुत से ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्र विकास "समीक्षा चक्र" से बाहर रह जाते हैं।

सम्पादकीय

आखिरकार जनता पर ही बोझ

पेट्रोलियम पर उत्पाद शुल्क में कटौती से सरकारी खजाने को 2026–27 में 1.7 लाख करोड़ रुपये का नुकसान होगा। उसकी भरपाई केंद्र कहां से करेगा? सीधा गणित है कि वह बाजार से अधिक कर्ज लेगा, जिसका बोझ आखिरकार जनता पर ही आएगा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल सत्ता होने के दौर में अपनी तिजोरी भरने वाली कंपनियों को राहत देने के लिए नरेंद्र मोदी सरकार ने उत्पाद शुल्क में भारी कटौती की है। इस कारण सरकारी खजाने को 2026–27 में 1.7 लाख करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचेगा। पिछले वर्ष सरकार ने आय कर और जीएसटी दरों में कटौती की। उससे भी उसे राजस्व का नुकसान हुआ। इन सबकी भरपाई केंद्र उसकी कहां से करेगा? सीधा गणित है कि वह बाजार से अधिक कर्ज लेगा। 2026–27 के केंद्रीय बजट में 16.09 लाख करोड़ रुपये का ऋण लेने का प्रावधान है। लेकिन अब बताया गया है कि उसका 51 फीसदी यानी 8.2 लाख करोड़ रुपये का कर्ज वित्त वर्ष की पहली छमाही में ही ले लिया जाएगा।

मौजूदा वित्तीय हालात को देखते हुए अनुमान है कि दूसरी छमाही कम–से–कम इतना और ऋण लिया जाएगा– यानी बजट में तय सीमा टूट सकती है। बाजार से ऋण का स्रोत अधिकांशतरू ऋण का कारोबार करने वाली वित्तीय कंपनियां होती हैं। सरकारें जितना अधिक कर्ज लेती हैं, उनके बॉन्ड पर ब्याज दर उतनी बढ़ती चली जाती है। फिलहाल, भारत सरकार के दस साल के बॉन्ड की ब्याज दर 6.92 प्रतिशत है, जो हाल के किसी समय से ऊंची है। मतलब यह कि अभी के कर्ज पर सरकार की दीर्घकालिक देनदारी खासी ऊंची होगी। इस कारण हर साल कर्ज एवं ब्याज चुकाने का अधिक दबाव सरकार के बजट पर होगा। अगर सरकार की आमदनी दूसरे स्रोतों से नहीं बढ़ेगी, तो जाहिर है, उपरोक्त देनदारी विकास एवं जन–कल्याण के खर्चों में कटौती कर पूरी की जाएगी। गौरतलब है कि परोक्ष करों के जरिए राजस्व जुटाने की गुंजाइश अब बेहद सीमित हो चुकी है। विनिवेश से पैसा जुटाने की संभावनाएं भी अब सीमित ही हैं। उस स्थिति में केंद्र के पास आमदनी बढ़ाने का एकमात्र जरिया धनी लोगों पर अधिक कर्ज लगाने का बचा है। लेकिन कॉरपोरेट्स का मुनाफा बढ़ाने की प्राथमिकता वाली वर्तमान सरकार के लिए यह सोचना भी कठिन है। इसलिए उत्पाद कर घटने का अर्थ दीर्घकाल में आम जन पर दबाव बढ़ना होगा। यही आज का गणित और हकीकत है।

बिहार में नीतीश कुमार, एक विकास युग का सम्मानजनक अंत

भारत के राजनीतिक इतिहास में पहली बार राज्य के मुख्यमंत्री का कार्यकाल इतने सम्मान से समाप्त हुआ हो जिस तरह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सेवा निवृत्ति हुई है। नीतीश कुमार 2005 में मुख्यमंत्री बने थे और आज यानि बाबा साहब अम्बेडकर जी की जयंती पर उन्होंने पूर्ण बहुमत के साथ इतीफा दिया है ।वे 20 वर्ष से अधिक समय तक लगातार मुख्यमंत्री रहे है। आरंभ उनकी समता पार्टी थी और भारतीय जनता पार्टी से उनका गठबंधन था ।वह दौर भाजपा में अटलजी, आडवाणी जी का था ।2010 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और जेडीयू को दो तिहाई सीट मिली लेकिन मुख्यमंत्री बने नीतीश कुमार 2015 के विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बैचारिक मतभेद चलते राजद के साथ लड़े और विधानसभा चुनाव में बहुमत भी लाए ।2020 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी से समझौता कर चुनाव जीते लेकिन उनकी 47 सीट आई जबकि भारतीय जनता पार्टी की 77 विधायक चुनकर आए लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीतीश कुमार को ही मुख्यमंत्री बनाया क्योंकि 2019 के लोकसभा चुनाव में जेडीयू भाजपा, लोजपा के साथ मिलकर 39 सीट कुल 40 में से जीती ।2025 विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को 89, जेडीयू,85, लोजपा 19, जीतनराम माझी को 6 सीट मिली।राजद का सूपड़ा साफ हो गया। लेकिन फिर भी नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने।यानि भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें 04 बार मुख्यमंत्री बनाया। लेकिन आज उन्होंने राज्य सभा में जाने के बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया।बताया जाता है कि 75 वर्षीय नीतीश कुमार का स्वास्थ्य साथ नहीं दे रहा है यही मुख्य कारण है। नीतीश कुमार ने यह बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शेयर कर पद मुक्ति बात रखी ।नीतीश कुमार ने 2005 में जब पद सम्हाला था तब उन्हें बीमार राज्य मिला था। चारों ओर लूट, अपराध, अपहरण,सरकारी डकैती,ठेका पर कब्जा ,राजद की गुंडागर्दी, महिलाओं से जुड़े अपराध, औद्योगिक विकास समाप्त जैसे वातावरण था ।सड़क टूटी फूटी, गड्ढे, बुनियादी ढांचे में कोई विकास नहीं था । ऐसे में नीतीश कुमार ने राज्य को खड़ा किया। अपराध मुक्त कराया।

क्या नोएडा मजदूर हिंसक आंदोलन के लिए औद्योगिक, प्रशासनिक व राजनीतिक सांठगांठ जिम्मेदार है?

आंदोलन के पृष्ठभूमि की यदि बात की जाए तो मजदूर न्यूनतम वेतन 20,000 रुपये तक बढ़ाने, बोनस और ओवरटाइम भत्ते की मांग कर रहे हैं। चूंकि हरियाणा से जुड़े एक फैसले ने उत्तर प्रदेश के मजदूरों में असंतोष पैदा किया, क्योंकि यहां अनस्किल्ड वर्कर को 15,000 से कम वेतन मिलता है। हमारे देश के राजनेता भले ही चुनावों के दौरान दलित–महादलित–आदिवासी, ओबीसी–ईबीसी, अल्पसंख्यक–पसमांदा और गरीब सवर्ण आदि से जुड़े सामाजिक न्याय सम्बन्धी तरह–तरह की बातें करते हैं, ममनगढ़ंत आंकड़े गिनातेध्बताते हैं, लेकिन उनकी नाक के नीचे श्रमजीवियों का अंतहीन शोषण होता रहता है, जिससे उनका मुंह फेरे रहना या फिर किसी बड़े आंदोलन के बाद सक्रिय होना उनके नेतृत्वकारी भूमिका पर सवाल उठाता है।आमतौर पर प्रशासनिक अधिकारियों और उद्योगपतियों की मिलीभगत से किस कदर श्रमजीवी मजदूरों का शोषण अनवरत रूप से जारी रहता है और फिर एक दिन नोएडा मजदूर आंदोलन के शक्ल में फूट पड़ता है, इसका यह ताजा उदाहरण है। इसी प्रवृति से नई आर्थिक नीति विफलता के कगार पर खड़ी है। नीति निर्माण में नेताओंध्नौकरशाहों ने जो पक्षपात दिखाया है, वह सभी समस्याओं की जड़ है।यक्ष प्रश्न यह कि जिस देश में महंगी शिक्षा, महंगा स्वास्थ्य और खर्चीला शहरी जीवन का बोलबाला हो, वहां पर निजी क्षेत्र के असमान वेतन स्तर के लिए हमारे नीति निर्माता जिम्मेदार नहीं हैं तो कौन है, वही बताएं। विपक्ष का काम संसद में, विधान मंडल में इन्हीं पहलुओं पर तर्कसंगत बहस करना है, लेकिन वह भी नीतिगत नकारापन का शानदार नमूना बन चुका है। दिलचस्प तो यह कि पहले सत्ताधारी यूपीए के वक्त एनडीए विपक्ष में था और अब सत्ताधारी एनडीए के वक्त यूपीएध्इंडिया गठबंधन विपक्ष में है। चूंकि दोनों पूंजीवादी गठबंधन हैं और अपने आर्थिक मोहपाश में जनोन्मुखी समाजवादी व वामपंथी सियासत को बांध चुके हैं, जिससे सबकुछ गड्डमड्ड हो चुका है। कहीं जातिवाद, कहीं क्षेत्रवाद और कहीं सम्प्रदायवाद के नाम पर परस्पर बंटी हुई जनता को अपनी मौलिक जरूरतों का एहसास ही नहीं है।काबिलेगौर है कि शहरोंध महानगरों या गांवों में जो आमतौर पर वेतन स्ट्रक्चर होता है, उससे कोई युवा या वयस्क अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों का सम्यक निर्वहन कर सकता है क्या? जवाब होगा– संभव नहीं! कोढ़ में खाज यह कि तरह तरह के मित्रों– शिक्षा मित्र, स्वास्थ्य मित्र आदि के मार्फत सरकारी क्षेत्र भी इन्हीं पूंजीवादी मानसिकता को तरजीह देता आया है, जिस पर उदार हृदय से बहस करने और भारतीयों के जीवन स्तर को सुधारने की जरूरत है। सवाल है कि जिन शहरों में फ्लैट्स या जमीन की कृत्रिम कीमतें आसमान छूती हों, वहां के दिहाड़ी मजदूरों की मजदूरी, अंशकालिकध्पूर्णकालिक श्रमिकों के वेतनमान, और भारतीय कानूनों से अधिकारियोंध उद्योगपतियों के खिलवाड़ से पूरी श्रम व्यवस्था विस्फोटक कगार पर खड़ी है। शहरों में बढ़ता झुग्गी–झोपड़ी कल्चर किसी नैतिक महामारी जैसा प्रतीत होता है।सुलगता सवाल है कि निजी क्षेत्र में कितने लोगों को नियुक्ति पत्र, पीएफ, ईएसआई, ग्रेच्युटी, सामूहिक स्वास्थ्य बीमा, जीवन बीमा और पेंशन आदि की सुविधाएं निजी कम्पनियों में मिलती है। प्रोपर्टी इंडस्ट्री की तरह आधा ब्लैक सैलरी और आधा व्हाइट सैलरी वाली आंखों में धूल झोंकने वाली व्यवस्था से खुफिया तंत्र अनजान क्यों है? सरकारी क्षेत्रों की तरह आवासीय सुविधाओं से निजी क्षेत्र के श्रमिकों को वंचित क्यों रखा जाता है? नौकरी बाजार में श्रम ठेकेदार पैदा करने से किसके हित सधते हैं? सवाल अनेक हैं, लेकिन उत्तर एक– राजनीतिक, प्रशासनिक और औद्योगिक सांठगांठ से जारी नीतिगत भ्रष्टाचार एक लाइलाज बीमारी है, जो किसी बड़ी जनक्रांति के बाद ही करवट लेगी।जरा कल्पना कीजिए कि जब नरेंद्रमोदी सरकार और योगी आदित्यनाथ की सरकार में ऐसी मजदूर विरोधी परिस्थिति है तो पूर्व की सरकारों में कैसा जंगलराज रहा होगा, विचारणीय पहलू है। मजदूर शोषण कांड की एसआईटी और न्यायिक जांच होनी चाहिए, क्योंकि आम भारतीयों के भविष्य के साथ एफडीआई आकर्षित करने के चक्कर में घोर अन्याय हो रहा है, जिससे बचे जाने की जरूरत है। अब नोएडा में मजदूरों के हिंसक आंदोलन के राजनीतिक निहितार्थ की बात करते हैं। चूंकि नोएडा में मजदूरों का हिंसक आंदोलन वेतन वृद्धि की मांग पर केंद्रित है, जो हरियाणा की 35: न्यूनतम मजदूरी बढ़ोतरी से प्रेरित है। लिहाजा, योगी सरकार को तुरंत इसे लागू करना चाहिए। बताया गया कि यह प्रदर्शन फेज–2 होजरी कॉम्प्लेक्स से शुरू होकर पूरे नोएडा में फैल गया, जहां पेशेवर विपक्षी आंदोलनों के तर्ज ओर तोड़फोड़ और आगजनी हुई। आंदोलन के पृष्ठभूमि की यदि बात की जाए तो मजदूर न्यूनतम वेतन 20,000 रुपये तक बढ़ाने, बोनस और ओवरटाइम भत्ते की मांग कर रहे हैं। चूंकि हरियाणा से जुड़े एक फैसले ने उत्तर प्रदेश के मजदूरों में असंतोष पैदा किया, क्योंकि यहां अनस्किल्ड वर्कर को 15,000 से कम वेतन मिलता है। यही वजह है कि योगी सरकार ने संवाद के लिए हाई लेवल कमेटी गठित की है और अविलंब इसके निर्णयों को लागू करने की जरूरत है।

भारत की औषधि रणनीति पैमाने से नवाचार की ओर बढ़ रही है, ताकि देश को बायोफार्मा और उच्च-मूल्य वाले चिकित्सा विज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सके

जगत प्रकाश नड्डा

वैश्विक स्तर पर, कुल औषधि राजस्व में बायोलॉजिक, बायोसिमिलर और विशेष दवाओं की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत से अधिक हो गयी है। लंबे समय से जेनरिक दवाओं में अग्रणी देश होने के कारण शविश्व की फार्मेसीश के रूप में प्रसिद्ध भारत का औषधि उद्योग अब पैमाने से नवाचार की ओर आगे बढ़ने के लिए तैयार है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत सरकार भविष्य के अनुरूप एक नीतिगत रूपरेखा को गति दे रही है, ताकि देश जेनरिक दवाओं में अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखते हुए इन उभरते क्षेत्रों में अधिक हिस्सेदारी प्राप्त कर सके।

केंद्रीय बजट 2026–27 में ?10,000 करोड़ के मिशन बायोफार्मा निर्माण शक्ति की घोषणा इस दिशा में एक निर्णायक कदम को रेखांकित करती है। यह अगले 8 से 10 वर्षों में भारत को बायोफार्मा नवाचार और उच्च मूल्य वाली चिकित्सा सेवाओं के वैश्विक केन्द्र बनाने के देश के संकल्प का संकेत देती है। यह विजन गहरी वैज्ञानिक क्षमताओं के निर्माण, नवाचार–आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने और भारत को अगली पीढ़ी की दवाओं के क्षेत्र में एक अग्रणी देश के रूप में उभरने में सक्षम बनाने पर आधारित होगा।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य बायोलॉजिक्स, बायोसिमिलर और उन्नत चिकित्सीय क्षेत्रों में घरेलू क्षमताओं को गति देना है। यह कार्यक्रम औषधि विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और जैव प्रौद्योगिकी विभाग की मौजूदा पहलों का पूरक है, जैसे फार्मा मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना (पीआरआईपी), अनुसंधान विकास और नवाचार योजना, बायोनेस्ट आदि, जिनका उद्देश्य जैव– औषधि समेत जीवन विज्ञान क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना है। ये पहलें भारत के नवाचार इकोसिस्टम को मजबूत करने, उद्योग–अकादमी सहयोग को बढ़ावा देने तथा जेनेरिक दवाओं से नवाचार संचालित दवा अनुसंधान और विकास की ओर बदलाव को सक्षम करने के लिए डिजाइन की गई हैं।

इस रणनीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ किण्वन–आधारित निर्माण क्षमताओं का विकास करना है। एंटिबायोटिक, वैक्सीन, एंजाइम और बायोलॉजिक्स के निर्माण में इसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका के बावजूद, यह क्षेत्र लंबे समय से आयात पर निर्भर रहा है। अवसंरचना में निवेश करके, प्रौद्योगिकी विकास और हस्तांतरण को सुविधाजनक बनाकर तथा लक्षित प्रोत्साहन प्रदान करके, भारत इस रणनीतिक क्षेत्र में घरेलू क्षमता का निर्माण करने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए काम कर रहा है। भारत के नैदानिक अनुसंधान इकोसिस्टम का विस्तार भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। 1,000 मान्यता प्राप्त नैदानिक प्रयोग केंद्र स्थापित किये जायेंगे, जो वैश्विक दवा विकास गंतव्य के रूप में भारत की स्थिति को बेहतर बनायेंगे। अपनी लागत लाभ और कुशल शोधकर्ताओं की बढ़ती संख्या के साथ, भारत कुशल और उच्च गुणवत्ता वाले नैदानिक प्रयोग के लिए असाधारण अवसर प्रदान करता है। साथ ही, नियामक व्यवस्था को मजबूत करने और संस्थागत क्षमताओं को बढ़ाने से भारत की मौजूदा व्यवस्था वैश्विक मानकों के अधिक अनुरूप होगी, जिससे तेज अनुमोदन संभव होंगे और वैश्विक हितधारकों के बीच विश्वास बढ़ेगा।

पिछले कुछ वर्षों में, भारत ने पीएलआई और थोक दवा (बल्क ड्रग) पार्क योजनाओं के सहारे सक्रिय औषधि सामग्री (एपीआई) और मुख्य आरंभिक सामग्रियों (केएसएम) के स्थानीय उत्पादन में तेजी से प्रगति हुई है। इससे देश में दवाओं की कीमतें घटाने में मदद मिली है, जो विश्व स्तर पर सबसे कम कीमतों में से एक है और इसके कारण नागरिकों के लिए स्वास्थ्य देखभाल की लागत किफायती बनी रहती है। प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना ने सस्ती कीमतों पर गुणवत्ता युक्त जेनेरिक दवाओं तक पहुंच का विस्तार किया है, जिसके तहत 19,000 से अधिक जनऔषधि केंद्र लाखों लोगों की सेवा कर रहे हैं। कैंसर और दुर्लभ रोगों की दवाओं जैसी महत्वपूर्ण चिकित्सा प्रक्रियाओं पर सीमा–शुल्क को सुव्यवस्थित करने जैसे पूरक उपाय जीवन रक्षक उपचारों तक पहुंच को और सुलभ बना रहे हैं। जैसे–जैसे उन्नत चिकित्सा प्रक्रियाएं अधिक व्यापक होंगी, किफायती दर और समान पहुंच सुनिश्चित करना केंद्रीय नीति की प्राथमिकता बनी रहेगी।

जैसे–जैसे उद्योग विकसित हो रहा है, भारत का उद्देश्य न केवल स्थापित बाजारों में बल्कि उभरते क्षेत्रों में, विशेष रूप से नवाचार–संचालित क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति को मजबूत करना है। सुधार, इस बदलाव के केंद्र में हैं। नियामक समन्वय, अनुमोदन प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण और तेजी से मंजूरी जैसे प्रयास व्यापार करने में आसानी को बढ़ा रहे हैं। गुणवत्ता मानकों और नियामक प्रक्रियाओं को सुदृढ़ बनाने से भारतीय औषधि उत्पादों पर वैश्विक विश्वास की निरंतरता सुनिश्चित होती है। हालांकि, आरएंडडी निवेश बढ़ाना एक प्रमुख चुनौती बनी हुई है। इसका समाधान करने के लिए, सार्वजनिक–निजी सहयोग को मजबूती देना आवश्यक होगा, ताकि दीर्घकालिक नवाचार को बनाए रहा जा सके।

नीतिगत समर्थन, तकनीकी प्रगति और बाजार का आपसी समन्वयय औषधि क्षेत्र के लिए विकास का एक अद्वितीय अवसर प्रस्तुत करता है। भारत का घरेलू बाजार, जिसका मूल्य पहले से ही ?4 लाख करोड़ से अधिक है, निरंतर विस्तार के लिए तैयार है। अगले दशक में, भारत न केवल जेनेरिक दवाओं में एक अग्रणी देश के रूप में, बल्कि नवोन्मेषी दवाओं, किण्वन–आधारित उत्पादों और अगली पीढ़ी की चिकित्सा–सेवाओं में भी एक शक्तिशाली केंद्र के रूप में उभरने के लिए बेहतर स्थिति में है।

निष्कर्ष के तौर पर, भारत का औषधि क्षेत्र नए चरण में प्रवेश कर रहा है, जो नवाचार, सुदृढ़ता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा द्वारा परिभाषित होता है। बायोफार्मा शक्ति कार्यक्रम जैसी पहलों, नैदानिक अवसंरचना के विस्तार और लक्षित निर्माण प्रोत्साहनों के समर्थन से, भारत धीरे–धीरे मात्रा–संचालित जेनेरिक दवा केंद्र से उच्च–मूल्य वाले बायोफार्मा नवाचार अग्रणी देश की ओर आगे बढ़ रहा है। यह परिवर्तन, वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल में भारत की भूमिका को मजबूत करने और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन, विकसित भारत 2047 के व्यापक लक्ष्यों को हासिल करने में केंद्रीय भूमिका निभाएगा।

आज का राशिफल

मेष राशि
आज आपका दिन शानदार रहेगा। छात्रों को आज कुछ नया सीखने को मिल सकता है। आज परिवार वालों के साथ समय बीतेगा।

वृष राशि–
आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। आज किसी कार्य की योजना बनाने में सफल होंगे और मेहनत का पूरा फायदा भी मिलेगा। सोचे हुए सारे काम पूरे होंगे।

मिथुन राशि–
आज मन स्थिर न होने की वजह से आप थोड़े उलझन में रहेंगे, लेकिन अपनों की मदद से राहत महसूस करेंगे।

कर्क राशि
आज आप सोच–विचार में डूबे रहेंगे। इस राशि के जो लोग कम्प्यूटर के क्षेत्र से जुड़े है, आज उन्हें कार्यक्षेत्र को बढ़ाने में रुकावट महसूस हो सकती है।

सिंह राशि–
आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज बड़ा ऑफर मिलने से धन लाभ हो सकता है। आपके लिए व्यक्ति मददगार हो सकता है।

कन्या राशि–
आज किस्मत आपका साथ देगी। आज रूका हुआ काम आज आसानी से पूरा हो जायेगा।

तुला राशि–
आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज उन परिस्थितियों में पड़ने से बचें, जिनमें आप असुविधा महसूस करते हैं।

वृश्चिक राशि–
आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी। आज जीवनसाथी से कुछ अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है।

धनु राशि–
आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। इस राशि के जो लोग सूचना प्रसारण क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, आज उन्हें किसी बड़ी संस्था में काम करने का अवसर मिलेगा।

मकर राशि–
आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। जिस अवसर की पिछले कई दिनों से आपको तलाश थी,

कुंभ राशि–
आज आपका दिन उत्तम रहेगा। अगर आज आप कुछ खास काम करना चाहते है, तो जरूर करें वह जरूर सफल होगा।

मीन राशि–
आज आपका दिन मिला–जुला रहेगा। आज आपका खर्च बढ़ सकता है। आज कामकाज के मामले में थोड़े सुस्त रहेंगे। आज पुराने लेन देन को अनदेखा न करें।

महिला स्वास्थ्यकर्मी ने अल्ट्रासाउंड संचालक पर लगाया गंभीर आरोप, तहरीर देकर की कार्रवाई की मांग

पीडिता का आरोप है कि उक्त व्यक्ति चार साल से कर रहा है परेशान, नौकरी खत्म करने की दी धमकी।

कुशीनगर, (आरएनएस)। जनपद के पटहेरवा थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत महिला कर्मचारी ने खुद को एक तथाकथित पत्रकार, अल्ट्रासाउंड संचालक द्वारा लंबे समय से प्रताड़ित किए जाने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है।

जनपद के फाजिलनगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत ललिता सिंह पत्नी मनोज सिंह ने पटहेरवा थाने में दिए तहरीर में आरोप लगाया है कि उमेश पाण्डेय नामक एक व्यक्ति, जो खुद को पत्रकार बताता है और फाजिलनगर में राज अल्ट्रा साउंड सेंटर का संचालन करता है। महिला का आरोप है कि उक्त व्यक्ति पिछले चार वर्षों से गलत नियत से उन्हें परेशान करता आ रहा है। पीड़िता का कहना है कि आरोपी कई बार शाम के बाद उनके आवास पर आने की कोशिश करता रहा। जिसको लेकर वह बार–बार मना करती रही। बावजूद इसके आरोपी अपनी हरकतों से बाज नहीं आया और लगातार मानसिक दबाव बनाता रहा। मामले ने तब गंभीर मोड़ ले लिया जब आरोपी ने व्हाट्सएप के माध्यम से आपत्तिजनक संदेश भेजते हुए सहयोग के नाम पर दबाव बनाने की कोशिश की। पीड़िता के अनुसार आरोपी ने साफ तौर पर धमकी दी है कि यदि उसने उसकी बात नहीं मानी तो वह अपनी तथाकथित पत्रकारिता का इस्तेमाल कर उस पर झूठे आरोप लगाकर उसकी नौकरी तक खत्म करवा देगा। इस घटना से घबराई पीड़िता ने साहस जुटाते हुए मुकामी पटहेरवा थाने में लिखित शिकायती पत्र देकर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में आरोपी उमेश पाण्डेय से उनके मोबाइल नंबर 9918416359 पर संपर्क कर उनका पक्ष लेने का प्रयास किया गया किन्तु उनसे बात नहीं हो सका।

मिशन शक्तिफेज-05 के अन्तर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को किया गया सम्मानित

कुशीनगर, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को बढ़ावा देने हेतु संचालित मिशन शक्ति फेज–05 के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनपद में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जिसके क्रम में समाज कल्याण, गृह, खेल, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, बाल विकास पुष्टाहार, चिकित्सा एवं शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 40 महिलाओं को अंगवस्त्र, मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विकास भवन के सभागार में जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर, पुलिस अधीक्षक केशव कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष की उपस्थिति में आयोजित अनंता कार्यक्रम एवं हक की बात जिलाधिकारी के साथ का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों में समाज कल्याण, गृह, खेल, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, बाल विकास पुष्टाहार, चिकित्सा एवं शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 40 महिलाओं को अंगवस्त्र, मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में उपस्थित छात्राओं द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों का जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा विस्तारपूर्वक उत्तर दिया गया तथा उन्हें उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही उपस्थित सभी छात्राओं को लक्ष्य प्राप्ति हेतु मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं एवं छात्राओं को महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई तथा जागरूकता हेतु पम्पलेट वितरित किए गए। साथ ही पुलिस विभाग द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए उनके उपयोग के बारे में भी विस्तार से अवगत कराया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला प्रोबेशन अधिकारी ने किया। कार्यक्रम में महिला कल्याण विभाग से जिला मिशन कोऑर्डिनेटर नलिन सिंह, परियोजना कोऑर्डिनेटर अभिषेक सिंह, मानस मिश्रा काउंसलर श्रीमती रीता यादव एवं अन्य संबंधित अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

पडरौना में विकास की रखी गयी नींव, रामधाम पोखरा पर पुल का शिलान्यास

कुशीनगर, (आरएनएस)। जनपद के पडरौना नगर के रामधाम पोखरा पर विकास की एक बड़ी सौगात की नींव रखी गई। राज्य सभा सांसद आरपीएन सिंह और सदर विधायक मनीष जायसवाल ने लगभग 2.03 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले बहुप्रतीक्षित पुल का विधिवत शिलान्यास किया। प्रस्तावित पुल 12 मीटर लंबा और 9 मीटर चौड़ा होगा। जो पडरौना शहर को विशुनपुरा ब्लॉक के कई गांवों से जोड़ते हुए बिहार सीमा तक आवागमन को आसान बनाएगा।

बताते चलें कि लंबे समय से इस पुल की मांग क्षेत्रीय जनता कर रही थी। जिसे अब धरातल पर उतारने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए सांसद आरपीएन सिंह ने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए मजबूत बुनियादी ढांचा बेहद जरूरी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ तय समयसीमा में पूरा कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस पुल के बन जाने से न सिर्फ आवागमन सुगम होगा, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास को भी नई गति मिलेगी। किसान अपने उत्पाद आसानी से बाजार तक पहुंचा सकेंगे, वहीं छात्रों और मरीजों के लिए सुरक्षित और तेज मार्ग उपलब्ध होगा।

महिलाएं सिर्फ मतदान केंद्र तक नहीं, बल्कि सत्ता के केंद्र में बैठकर तय करेंगी नीतियांरू- डॉ. ममता मणि

नारी शक्ति वंदन अधिनियम।

कुशीनगर (आरएनएस)। भारतीय लोकतंत्र एक बड़े बदलाव के दौर में प्रवेश कर चुका है। वर्ष 2026 को इतिहास उस समय के रूप में याद करेगा, जब वर्षों से उपेक्षित 'आधी आबादी' को सियासत में उसका असली हक मिला। नारी शक्ति वंदन अधिनियम अब केवल एक विधेयक नहीं, बल्कि देश की राजनीतिक सोच में क्रांतिकारी बदलाव का प्रतीक बन चुका है। उक्त बातें उदित नारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. ममता मणि त्रिपाठी ने अपने कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में कही। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं के संघर्ष, धैर्य और संकल्प की जीत है। उन्होंने कहा कि 27 वर्षों तक राजनीतिक गलियारों में उलझा यह मुद्दा आखिरकार मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट नीयत के चलते साकार हुआ। डॉ. त्रिपाठी ने दो टूक कहा कि अब महिलाएं सिर्फ मतदान केंद्र तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि सत्ता के केंद्र में बैठकर नीतियां तय करेंगी। यह बदलाव भारतीय लोकतंत्र को नई ऊर्जा देगा और विकास को ज्यादा संतुलित और समावेशी बनाएगा।उन्होंने कहा कि महिलाओं की बढ़ती राजनीतिक भागीदारी से शासन अधिक संवेदनशील होगा। जिससे समाज के हर वर्ग की आवाज सुनी जाएगी।

समाज को अनवरत संवारता है शिक्षक - अनुपम कुमार

अयोध्या। सेवा निवृत शिक्षकों का बिदाई एवं सम्मान समारोह सोहावल के ब्लॉक संसा साधन केंद्र अरकुना में आयोजित हुआ। आयोजक प्रमुख उमाशंक, ब्लॉक संयोजक सोहावल एवं तारिक अनवर जिला कोषाध्यक्ष जूनियर शिक्षक संघ ने कार्यक्रम को बहुत ही भव्य एवं दिव्य तरीके से कराया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वित्त एवं लेखा अधिकारी बेसिक अनुपम कुमार, एवं विशिष्ट अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी सोहावल रविता राव की अगुआई में हुआ, कार्यक्रम में अवधेश यादव जिलाध्यक्ष उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने अपने संबोधन में सभी रिटायर 8 गुरुजनों का आशीर्वाद लेते हुए उनके योगदान और लगन की प्रशंसा की, उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज की रीढ़ है उनकी सुरक्षा,संरक्षा करते हुए समाज उनके अनुभव का लाभ उठाए तभी देश प्रगति कर सकता है, मुख्य अतिथि अनुपम कुमार ने सभी रिटायर्ड गुरुजनों को उनके सेवानिवृत्त लाभों को जल्द से जल्द दिलाने का आश्वासन दिया, जूनियर शिक्षक संघ के ब्लॉक मंत्री पंकज वर्मा ने भी सभी गुरुजनों का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा उनके मार्गदर्शन देते रहने की बात कही, मुख्य आयोजक उमाशंकर ने अंग वस्त्र देकर स्वागत किया, सूरज प्रकाश ने भी बुके भेट कर गुरुजनों का आशीर्वाद लिया, आयोजक प्रमुख तारिक अनवर ने भी अपनी बात रखी तथा स्वागत करते हुए अंगवस्त्र भेट किया, रिटायर्ड गुरुजनों में परवीन इकबाल यूपीएस बिसौली, आशा सिंह कंपोजिट विद्यालय नेवादा, नाहिदा बेगम कंपोजिट विद्यालय कोला, जनक लाल वर्मा पीएस रहीमपुर बढ़ौली सुभद्रा सिंह पीएस गंज, देव नारायण शुक्ला पीएस छताई का पुरवा, राजेंद्र नाथ चित्रांशी पीएस रामपुरवा, माया देवी पीएस रसूलपुर सकरवाल को सम्मानित करते हुए बिदाई दी गई उक्त कार्यक्रम में ब्लॉक के समस्त एआरपी ,दीपक कुमार वर्मा, हरीश सिंह रावत,'संग्राम मौर्य, दीपक शुक्ला, अभिषेक यादव, के अलावा जिला कोषाध्यक्ष फूल चंद सरोज भी उपस्थित रहे।

कागजों में कैद आदेश , जमीन पर कब्जा बरकरार

हाईकोर्ट की अवमानना का बड़ा मामला उजागर।

कुशीनगर, (आरएनएस)। जनपद के पडरौना तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा खड्डा खुर्द स्थित गाटा संख्या 189 की सरकारी भूमि पर वर्षों से चला आ रहा अवैध कब्जा अब प्रशासनिक निष्क्रियता के वजह से न्यायिक आदेशों की अनदेखी का बड़ा उदाहरण बन कर रह गया है। हैरानी की बात यह है कि उच्च न्यायालय के स्पष्ट आदेश, अवमानना याचिका में सख्त टिप्पणी और अपील खारिज होने के बाद भी जिला प्रशासन द्वारा अब तक अवैध कब्जे पर बुलडोजर नही चलाया गया। नतीजतन सरकारी भूमि पर अतिक्रमणकारियों का अवैध कब्जा कायम है। आरोप है कि नाथू शर्मा, गुड्डी देवी, शैलेष शर्मा, रामू शर्मा, संदीप शर्मा व कृष्णा शर्मा ने सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर रखा है। पीड़ित पक्ष देवेंद्र प्रताप श्रीवास्तव ने कई बार प्रशासनिक अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिला। थक–हारकर देवेन्द्र प्रताप श्रीवास्तव को न्यायालय की शरण लेनी पड़ी, जहां रिट संख्या 20646 पर 03 दिसंबर 2020 को आदेश पारित हुआ। इसके बावजूद जब जमीनी स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो अवमानना याचिका संख्या 3046 दाखिल की गई, जिस पर 11 अगस्त 2021 को न्यायालय ने सख्ती दिखाई। इसके बाद धारा 67 के तहत कार्रवाई शुरू हुई, लेकिन आरोपियों ने प्रक्रिया को लंबित रखने के लिए अपीलों का सहारा लिया। हालांकि उनकी सभी अपीलें खारिज हो चुकी हैं। बड़ा सवाल यह है कि जब न्यायालय का आदेश, अवमानना का निर्देश और अपील खारिज होने जैसे सभी कानूनी पड़ाव पार हो चुके हैं, तो आखिरकार जिला प्रशासन किस बात का इंतजार कर रहा है? अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने से परहेज क्यों? सबब यह है कि मामला सिर्फ सरकारी भूमि पर कब्जे तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि न्यायिक आदेशों की प्रभावशीलता पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा हो गया है। ऐसे में समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो यह मामला प्रशासनिक तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़ा करेगा। पीड़ित पक्ष ने जिलाधिकारी से तत्काल हस्तक्षेप कर कब्जा हटवाने और न्यायालय के आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने की मांग की है।

टैक्स बार एसोसिएशन के अशोक कुमार अग्रवाल अध्यक्ष तथा नवीन कुमार सिंहानिया महामंत्री निर्वाचित

कुशीनगर, (आरएनएस)। टैक्स बार एसोसिएशन जनपद इकाई कुशीनगर का चुनाव भारी गहमागहमी के बीच सम्पन्न हुआ। जिसमें अशोक कुमार अग्रवाल एडवोकेट अध्यक्ष, अनुज कुमार श्रीवास्तव एडवोकेट उपाध्यक्ष तथा नवीन कुमार सिंहानिया एडवोकेट महामंत्री चुने गए। 53 सदस्यीय टैक्स बार एसोसिएशन के चुनाव अधिकारी रामगोपाल गुप्ता के नेतृत्व में गुरुवार को सम्पन्न हुए चुनाव में अनुज कुमार श्रीवास्तव (एडवोकेट) को उपाध्यक्ष, नवीन कुमार सिंहानिया (एडवोकेट) महामंत्री, विकाश कुमार जायसवाल (एडवोकेट) संयुक्त मंत्री, मोहन लाल गुप्ता (एडवोकेट) को कोषाध्यक्ष के पद पर निर्विरोध चुना गया। जबकि अध्यक्ष पद हेतु अशोक कुमार अग्रवाल (एडवोकेट) एवं मनोज कुमार श्रीवास्तव (एडवोकेट) द्वारा पर्चा दाखिल किया गया था। लेकिन मतदान के पूर्व ही बहुमत के आधार पर अशोक कुमार अग्रवाल (एडवोकेट) को अध्यक्ष चुना गया। वहीं कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए किसी ने पर्चा नहीं किया। नव निर्वाचित अध्यक्ष अशोक कुमार अग्रवाल (एडवोकेट) ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए चयनित पदाधिकारियों को बधाई दी। इस दौरान पूर्व अध्यक्षों से विचार–विमर्श कर नवनिर्वाचित कार्यकारणी की प्रथम बैठक भी सम्पन्न हुआ। बैठक में तय हुआ कि निवर्तमान अध्यक्ष रामगोपाल गुप्ता (एडवोकेट) एवं महामंत्री अखिलेश प्रताप सिंह पदेन कार्यकारणी सदस्य होंगे तथा शेष कार्यकारणी में अवधेश कुमार तिवारी, रितेश कुमार श्रीवास्त, ओमप्रकाश द्विवेदी, भूपेन्द्र कुमार सिंह, हिमांशु शेखर पाण्डेय, अतुल्य रत्न श्रीवास्तव, उमेश चौरसिया को सदस्य चुना गया।

मठ की जमीन पर 'कब्रिस्तान' का विवाद

कुशीनगर, (आरएनएस)। जनपद के तमकुहीराज तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत डुमरिया मठ में मठ की जमीन को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। मठ के महंत रुद्रानंद गिरी ने आरोप लगाया है कि सुनियोजित साजिश के तहत मठ की भूमि को कागजों में हेरफेर कर कब्रिस्तान के रूप में दर्ज करा दिया गया और उसी आधार पर वहां अवैध रूप से कब्रिस्तान बना दिया गया है।

महंत रुद्रानंद गिरी ने इस मामले को गंभीर बताते हुए मंडलायुक्त गोरखपुर को प्रार्थना पत्र सौंपकर पुरातत्व विभाग से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यह भूमि दशकों से मठ की संपत्ति रही है, लेकिन कुछ लोगों ने कब्जे की नीयत से दस्तावेजों में छेड़छाड़ की। उन्होंने बताया कि इस संबंध में वह मुख्यमंत्री को भी पत्र भेज चुके हैं, ताकि पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच हो सके। महंत का दावा है कि पूर्व महंत महादेवा नंद गिरी के अनुसार मठ की जमीन के भीतर भगवान शिव की मूर्ति भी दबे होने की संभावना है, जो इस स्थान के धार्मिक महत्व को दर्शाती है। ढाई महीने से अधूरी जांच, उठे सवाल––

महंत ने प्रशासनिक कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि मंडलायुक्त के निर्देश पर तमकुहीराज तहसीलदार द्वारा लगभग ढाई माह पूर्व जांच शुरू की गई थी, लेकिन अब तक जांच की स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। इससे न केवल मामले में अनिश्चितता बनी हुई है, बल्कि विरोधी पक्ष का मनोबल भी बढ़ रहा है। महंत रुद्रानंद गिरी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि मठ की भूमि से अवैध कब्रिस्तान नहीं हटाया गया तो यह सनातन आस्था पर सीधा आघात होगा। उन्होंने प्रशासन से जल्द कार्रवाई करने की मांग करते हुए कहा कि "पुरातत्व विभाग की जांच से सच्चाई सामने आ जाएगी, दूध का दूध, पानी का पानी हो जाएगा।"

इनसेट–– जनप्रतिनिधियों से भी लगाई गुहार–– इस पूरे प्रकरण में महंत ने तमकुहीराज क्षेत्र के भाजपा विधायक से लगायत जिले के सभी जनप्रतिनिधियों से भी हस्तक्षेप की अपील की है, ताकि मठ की भूमि को सुरक्षित रखा जा सके और धार्मिक परंपराओं की रक्षा हो सके।

बालिकाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक और कदमरू-17 बालिकाओं को वितरित किया गया साइकिल

कुशीनगर, (आरएनएस)। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित अनुसूचित जनजाति बालिका यूनिफार्म एवं साइकिल योजना के अंतर्गत पडरौना नगर स्थित एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में 17 छात्राओं, बालिकाओं में साइकिल वितरित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सदर विधायक मनीष जायसवाल ने कहा कि राज्य एवं केंद्र सरकार पढ़ेंगी बेटियां, बढ़ेंगी बेटियां के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि नारी सशक्तिकरण एवं बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जो वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर यादव ने विभाग द्वारा संचालित प्रमुख योजनाओं में छात्रवृत्ति योजना, अनुसूचित जनजाति बालिका यूनिफार्म एवं साइकिल योजना, सामूहिक विवाह योजना, धरती आभा योजना एवं जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों, विशेषकर बालिकाओं को शिक्षा एवं आत्म निर्भरता की ओर प्रेरित करना है। कार्यक्रम में छात्राओं के अभिभावक, संबंधित विद्यालयों के प्रधानाचार्य, जिला विद्यालय निरीक्षक के प्रतिनिधि, अन्य अधिकारी ... उपस्थित रहे।

धार्मिक नगरी में श्रद्धालुओं का पानी खरीद कर पीना सामाजिक अपराध

अयोध्या। महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी का मानना है कि धार्मिक नगरी में श्रद्धालुओं का पानी खरीद कर पीना सामाजिक अपराध है। उन्होंने दावा किया कि नगर निगम अयोध्या लगातार इस दिशा में काम कर रहा है कि किसी भी श्रद्धालुओं को यहां आने पर खरीद कर एक बूंद भी पानी न पीना पड़े। उन्होंने बताया कि जल्द ही अयोध्या के प्रत्येक घर तक सरयू नदी के पवित्र जल की सप्लाई पेयजल के रूप में सुनिश्चित करायी जाएगी। उन्होंने बताया कि महानगर के छह वार्डों में 24 घंटे तीसरे साल तक पानी पहुंचाने की योजना अमल में लाई जा रही है। वह प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। महापौर ने कहा कि 90 से अधिक वाटर कूलर एवं वाटर क्यास्क के अलावा सैकड़ों इंडिया मार्का टू हैंडपंप स्थापित किए गए हैं। घर–घर वॉटर सप्लाई की व्यवस्था की जा रही है।

उन्होंने बताया कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बस अड्डा के पीछे 500 लोगों के रात्रि विश्राम के लिए आवास का प्रबंध किया गया है। पर्यटन विभाग के सहयोग से हनुमानगढ़ी के सामने छाजन लगाया जा रहा है। बनवीरपुर, पलिया शाहबदी, गद्दोपुर में जल निकासी के लिए पंप और नाले का निर्माण कराया गया है। जलवानपुरा में जल भराव की समस्या काफी हद तक नियंत्रित हो गई है। उन्होंने बताया कि नगर में तीन वर्ष के दौरान 235 सड़कों का निर्माण कराया गया है। 46 करोड़ की लागत से 90 सड़कों का निर्माण स्वीकृत हुआ है। उन्होंने बताया कि हर वार्ड में एक करोड़ रुपये से अधिक का विकास कार्य कराया गया है। उन्होंने माना कि विस्तारीकरण क्षेत्र में नगरीय सुविधा देना चुनौती थी। विस्तारीकरण क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में लगभग पांच करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्य कराए गए हैं। 500 किलोमीटर सीवर लाइन तथा पेयजल सुविधा के लिए प्रत्येक वार्ड तक पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि 12 करोड़ रुपये की सोलर लाइट जल्द ही मिलने वाली है। इससे नगर की प्रकाश व्यवस्था और सुदृढ़ होगी।

हाई वोल्टेज तार से टकराई कंबाइन मशीन

मिल्कीपुर–अयोध्या। मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के खण्डासा थाना अंतर्गत सहजन मऊ गांव में बुधवार दोपहर लगभग 2:30 बजे खेत में गेहूं की कटाई कर रही कंबाइन मशीन 11,000 वोल्ट की बिजली के तार से टच हो गया । तार से टकराते ही कंबाइन मशीन में तुरंत आग लग गई, जो कुछ ही पलों में विकराल रूप धारण कर गई। देखते ही देखते आग ने पूरी कंबाइन मशीन को अपनी चपेट में ले लिया और तेज हवा के कारण आग आसपास के गेहूं के खेतों में भी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था।

इस भीषण आग में कंबाइन मशीन पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई, साथ ही लगभग 10 किसानों की करीब 38 बीघा गेहूं की फसल भी जलकर राख हो गई। कंबाइन मशीन रायपुर निवासी दिनेश सिंह की बताई जा रही है। स्थानीय निवासी सूरज सिंह ने इस घटना के लिए विद्युत विभाग को जिम्मेदार ठहराया। उनका कहना है कि बिजली के तार काफी ढीले और नीचे लटके हुए थे, जिससे यह हादसा हुआ। हल्का लेखपाल संजय पाठक के अनुसार, इस आग से जिन किसानों की फसल प्रभावित हुई है, उनमें शेर बहादुर, मिथिलेश, अकबाल बहादुर, राजेंद्र प्रसाद, दुर्गा प्रसाद, साधुराम, वीरेंद्र कुमार, ओमप्रकाश, लाल बहादुर और वेद प्रकाश शामिल हैं। प्रशासन द्वारा नुकसान का आकलन कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। हालांकि किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है।

घर से नाराज होकर निकली थी किशोरी, कुएं में मिला शव

मिल्कीपुर–अयोध्या। मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के खण्डासा थाना अंतर्गत रेवली गांव में एक 17 वर्षीय किशोरी का शव कुएं में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान निशा मौर्य, पुत्री छोटेलाल मौर्य के रूप में हुई है, जो मंगलवार दोपहर परिजनों से नाराज होकर घर से निकल गई थी। परिजनों के अनुसार, किशोरी के अचानक घर छोड़कर चले जाने के बाद उन्होंने काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कहीं कोई पता नहीं चल सका। परिवार के लोग रिश्तेदारों और आसपास के गांवों में भी उसकी तलाश करते रहे। जब देर रात तक कोई सुराग नहीं मिला, तो ग्रामीणों की मदद से आसपास के कुओं और तालाबों में भी खोजबीन शुरू की गई।

बुधवार सुबह गांव के कुछ लोगों ने घर से करीब 200 मीटर दूर स्थित एक कुएं में एक किशोरी का शव उतराता हुआ देखा। इसके बाद ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना खण्डासा पुलिस और फायर ब्रिगेड टीम को दी। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद कुएं से शव को बाहर निकाला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है, वहीं गांव में शोक का माहौल बना हुआ है।

खण्डासा थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार सोनकर ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार किशोरी घर से नाराज होकर निकली थी और उसकी तलाश की जा रही थी। उन्होंने बताया कि शव घर से करीब 200 मीटर की दूरी पर स्थित कुएं में मिला है। फिलहाल घटना के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। थाना प्रभारी ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि किशोरी की मौत किन परिस्थितियों में हुई। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए कार्रवाई की जा रही है।

घर के बाहर खाने को लेकर विवाद, नौ घायल

अयोध्या। कैंट थाना क्षेत्र के रेतिया मोहल्ले में घर के सामने खाना खाने को लेकर शुरू हुआ विवाद हिंसक टकराव में बदल गया। देखते ही देखते दोनों पक्ष आमने–सामने आ गए और जमकर हाथापाई हुई। घटना में कुल नौ लोग चोटिल हुए, जिनमें एक पक्ष के छह और दूसरे पक्ष के तीन लोग शामिल हैं। झड़प के दौरान एक युवक पर धारदार हथियार से हमला करने का आरोप है, जिससे छह लोग घायल हो गए। घायलों में से दो को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि अन्य को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार सभी की स्थिति फिलहाल सामान्य है। कैंट थाना प्रभारी संदीप सिंह के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच विवाद की शुरुआत मामूली बात से हुई थी, जो बाद में बढ़कर मारपीट में बदल गई। एक पक्ष की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, वहीं दूसरे पक्ष की शिकायत के आधार पर भी कार्रवाई की प्रक्रिया चल रही है। आरोपित युवक को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

आदर्श औद्यानिकी विकास केंद्र के रूप में विकसित होगा गोविंद नगर फार्म

–कृषि विवि पहुंचे कृषि मंत्री शाही, टेक्नोलॉजी व गोविंदनगर फार्म का किया निरीक्षण, की कार्यों के प्रगति की समीक्षा

अयोध्या।आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में बुधवार को कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने भ्रमण कर विभिन्न प्रक्षेत्रों पर हो रहे कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से बातचीत कर कार्यों के प्रगति की समीक्षा भी की। मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सबसे पहले परिसर स्थित टेक्नोलॉजी पार्क में लगाए गए मक्के की फसल का अवलोकन किया। यहां पर परीक्षण के तौर पर पांच प्रकार की प्रजातियों के मक्के की फसल की बोआई की गई है। वर्तमान समय में विवि संकर प्रजाति की कलिंगाराज एवं आर.सी.एम.एच का सीड भी तैयार कर रहा है जो जलवायु परिवर्तन के अनुकूल है। इस दौरान मंत्री ने आधुनिक कंबाइन मशीन के माध्यम से गेहूं की कटाई के प्रदर्शन को देखा। मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि मक्के की अच्छी प्रजातियों को आगे बढ़ाने की जरूरत है। किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों एवं वैज्ञानिक विधियों से जोड़ना हमारी प्राथमिकता है जिससे खेती को और अधिक आसान, प्रभावी होने के साथ–साथ लाभदायक बनाया जा सके।

सौ कुंतल गेहूं बेचने के लिए नहीं कराना पड़ेगा सत्यापन रू निखिल टीकाराम फुंडे

अयोध्या। जिला अधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया किसान दिवस में बिन्दुवार किसानो की समस्याओं को सुनकर गुणवत्ता पूर्वक समाधान करने का निर्देश दिया गया।

भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव घनश्याम वर्मा ने किसान दिवस में छुट्टा जानवरों से खेती को बचाने, सुचारु रूप से विद्युत आपूर्ति कराये जाने, यश पेपर मिल द्वारा फैलाये जा रहे प्रदूषण पर रोक लगाने, गेहूं खरीद में किसानों को तंग न करने, फार्मर रजिस्ट्री, केसीसी में चार प्रतिशत ही ब्याज लिए जाने, गन्ना मूल्य का भुगतान कराए जाने का मामला उठाया गया। जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे आश्वासन दिया कि 100 कुंतल तक गेहूं बेचने के लिए सत्यापन कराए जाने की कोई जरूरत नहीं है फार्मर रजिस्ट्री के कागजात से ही गेहूं खरीदा जाएगा।

चित्रों में दिखी चेतना, मानव श्रृंखला में दिखी एकता

लालगंज, मीरजापुर। श्रीमती इंदिरा पीजी कॉलेज परिसर बुधवार को नारी में चेतना और सशक्तिकरण के रंग में रंगा नजर आया। नारी शक्ति वंदन अभियान के तहत छात्र–छात्राओं ने मानव श्रृंखला बनाकर एकजुटता का संदेश दिया।वहीं चित्रकला और पोस्टर प्रदर्शनी के माध्यम से महिलाओं के सम्मान, अधिकार और सामाजिक योगदान को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने नारी की बदलती भूमिका और समाज में उनके बढ़ते महत्व पर अपने विचार रखे। संचालन करते हुए डॉ शिवधर सिंह ने कहा कि नारी सशक्तिकरण केवल शब्दों तक सीमित न रहकर व्यवहार में दिखना चाहिए और उन्हें निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए।इतिहास विभाग के डॉ देवेंद्र नाथ गिरी ने कहा कि भारतीय परंपरा में नारी को शक्ति का प्रतीक माना गया है, इसलिए उनके सम्मान और अधिकारों की रक्षा करना समाज की प्राथमिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम प्रभारी डॉ शिवांगी पांडे ने कहा कि यह अभियान समाज की सोच में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास है और छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित करता है।वनस्पति विभाग के डॉ राम प्रकाश पाल ने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना रही हैं और समाज को नई दिशा दे रही हैं। राजनीति विज्ञान विभाग के डॉ अंबेश्वरी प्रसाद पांडे ने कहा कि सशक्तिकरण को धरातल पर लागू करना ही इस तरह के अभियानों की सफलता है। भौतिक विज्ञान विभाग के अरविंद कुमार ने वैज्ञानिक युग में नारी की भूमिका को अहम बताया।

जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय पूरे खैरी का औचक निरीक्षण कर लिया जायजा

श्रावस्ती । जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय ने विकासखण्ड हरिहरपुररानी के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय पूरे खैरी का औचक निरीक्षण कर जायजा लिया तथा बच्चों को दी जा रही शिक्षा व्यवस्था का आकलन किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विद्यालय में अध्यापकों की उपस्थिति एवं नामांकन के सापेक्ष छात्र–छात्राओं की उपस्थिति की जानकारी ली। जिस पर ज्ञात हुआ कि विद्यालय में 03 सहायक अध्यापक उपस्थित पाये गये। वहीं एक सहायक अध्यापक श्रीमती रचना व 01 शिक्षामित्र राम कुमार मिश्र अनुपस्थित पाये गए, जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सम्बन्धित का एक दिन का वेतन काटने तथा कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। इसके अलावा जिलाधिकारी ने छात्र–छात्राओं की उपस्थिति पंजिका का निरीक्षण किया, जिस पर ज्ञात हुआ कि कक्षा–1 से लेकर कक्षा–5 बच्चों की उपस्थित कम पाये जाने पर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रधानाचार्य को निर्देश दिया कि पंजी.त छात्र–छात्राओं की शत–प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करायें। यदि कोई छात्र या छात्रा नामांकन के बाद स्कूल नहीं आ रहें है तो उनके अभिभावक से बात कर स्कूल भेजने हेतु प्रेरित किया जाए, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहने पाये।निरीक्षण के दौरान विद्यालय में स्मार्ट टी0वी0 खराब पाया गया तथा विद्यालय में उचित साफ–सफाई न पाये जाने पर स्पष्टीकरण जारी करने के

साथ जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि स्मार्ट टी0वी0 तत्काल सही कराया जाए और विद्यालय में साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। यदि औचक निरीक्षण के दौरान कोई भी कमी पायी गई तो सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने रसोई घर जाकर मध्यान्ह भोजन की भी जानकारी ली तथा उपस्थिति के सापेक्ष बच्चों को मीनू के अनुसार मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने जनता दर्शन में सुनी समस्याएं, शिकायतों को तत्काल निस्तारित कराने का दिया निर्देश

श्रावस्ती । जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट स्थित अपने कक्ष में जनता दर्शन में आमजन की समस्याओं व

शिकायतों को सुना और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही फोन पर समस्याओं के निस्तारण हेतु निर्देशित किया। इस दौरान जिलाधिकारी को 08 शिकायतें प्राप्त हुई, जो विभिन्न विभागों से सम्बन्धित थी, इन शिकायतों को तत्काल निराकरण कर रिपोर्ट प्रेषित करने हेतु सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होने कहा कि सम्बन्धित प्रकरणों में तत्काल समुचित कार्रवाई कर समस्या का समाधान सुनिश्चित करें। साथ ही .त कार्रवाई के बाद उन्हें भी अवगत कराना सुनिश्चित करें। निस्तारण के अवधि में लेटलतीफी कदापि न बरती जाए। इसके लिए फरियादियों से समन्वय स्थापित कर विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित करें।

जनता का प्रतिनिधि अब प्रतिनिधित्व नहीं, सिस्टम बन गया कंपनी

- महोली में अलंकार अग्निहोत्री का तीखा हमला

महोली/सीतापुर। राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा के अध्यक्ष अलंकार अग्निहोत्री ने यूजीसी बिल को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आज का जनप्रतिनिधि जनता का प्रतिनिधित्व नहीं कर रहा, बल्कि एक कंपनी की तरह काम कर रहा है। महोली क्षेत्र के बछवल गांव स्थित गोधान सेवाश्रम में अभिषेक त्रिपाठी की मौजूदगी में आयोजित बैठक में उन्होंने अपने विचार रखे। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह अपने पद से काफी पहले इस्तीफा दे चुके हैं और कुछ दिनों पूर्व ही "राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा" पार्टी का गठन किया गया है। अब वह पार्टी के प्रचार–प्रसार और संगठन को मजबूत करने के अभियान के तहत महोली पहुंचे हैं। अलंकार अग्निहोत्री ने कहा कि सवर्ण समाज की समस्याओं को सुनने वाला कोई नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि बटुकों और संतों के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन सरकार मौन है। साथ ही यूजीसी रेगुलेशन पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सामान्य वर्ग के छात्रों के हितों की अनदेखी करता है और उन्हें "स्वघोषित अपराधी" मानकर कानून के दायरे में लाने की कोशिश है, जिसका वह विरोध करते हैं। उन्होंने ऐलान किया कि आगामी 2027 विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी अपने प्रत्याशी उतारेगी।

विमल कुमार आनन्द अध्यक्ष, सुरेन्द्र कुमार मंत्री बन

बस्ती । बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद कार्यालय पर पशुधन प्रसार अधिकारी संघ का द्विवार्षिक अधिवेशन और चुनाव सम्पन्न हुआ। चुनाव अधिकारी डॉ. फजील खान की देख रेख में सर्वसम्मत से विमल कुमार आनन्द अध्यक्ष, विजय कुमार उपाध्यक्ष, सुरेन्द्र कुमार मंत्री, भानू प्रताप सिंह संयुक्त मंत्री, रामेन्द्र जायसवाल कोषाध्यक्ष, शिवदास लेखा सम्प्रेक्षक निर्वाचित घोषित किये गये।चुनाव से पूर्व द्विवार्षिक अधिवेशन को सम्बोधित करते हुये राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष राम अधारपाल ने कहा कि देश और प्रदेश के कर्मचारी कठिन दौर से गुजर रहे हैं। उनकी जायज मांगों पर भी विचार नहीं किया जा रहा है। पुरानी पेंशन बहाल किये जाने और आठवे वेतन आयोग को शीघ्र लागू किये जाने को लेकर हमें निरन्तर संघर्ष तेज रखना होगा। उन्होने पशुधन प्रसार अधिकारी संघ के नव निर्वाचित पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी। अध्यक्षता करते हुये रणजीत उपाध्याय ने एकजुट होकर संगठन की मजबूती पर जोर दिया। नव निर्वाचित अध्यक्ष विमल कुमार आनन्द ने कहा कि स्थानीय समस्याओं के समाधान हेतु शीघ्र अधिकारियों से वार्ता के साथ ही प्रदेश नेतृत्व से वेतन विसंगति की समस्या का समाधान कराये जाने का आग्रह किया जायेगा। परिषद के जिला मंत्री तौलू प्रसाद ने कहा कि कर्मचारियों के जनपद स्तरीय समस्याओं के समाधान हेतु निरन्तर प्रयास जारी है।

द्विवार्षिक अधिवेशन में मुख्य रूप से राम सुभाष चौधरी, रजत सिंह, विनोद कुमार मिश्र, राम प्रसाद चौधरी, विनोद कुमार मिश्र, दिनेश चन्द्र, महेन्द्र कुमार, सुशील शुक्ल, संजय कुमार, जितेन्द्र विश्वकर्मा, नुरूल हुदा, धर्मेन्द्र सिंह, महेन्द्र कुमार, अरविन्द कुमार, आशुतोष सिंह, अतुल पाण्डेय, अबरार अहमद अंसारी, दिनेश कुमार, गौरव सिंह, रजत सोनकर, अभिषेक कुमार, अरूण रहे।

सरकार की वादा खिलाफी से नाराज ग्रामीण बैंक कर्मी करेंगे आंदोलन

बस्ती। देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास में खास पहचान रखने वाले क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है, जहां एक ओर भारत सरकार ग्रामीण बैंकों को प्रदेश स्तर पर मिला कर इन्हें मजबूत आर्थिक आधार दे रही है, वहीं दूसरी ओर इनमें काम करने वाले लाखों अधिकारियों और कर्मचारी की जायज मांगों को भी नजर अंदाज किया जा रहा है।भारत सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए ग्रामीण बैंक कर्मियों के सबसे बड़े संगठन ऑल इंडिया रीजनल रूरल बैंक इंप्लाइज एसोसिएशन (अरेबिया) ने भारत सरकार को हड़ताल की नोटिस भेज कर देश व्यापी आंदोलन की घोषणा की है।यह जानकारी देते हुये अरेबिया के बरिष्ठ नेता कामरेड के.के. श्रीवास्तव ने बताया कि संगठन के महासचिव कामरेड येस बैंकटेश्वर रेडडी ने सभी यूनिटों को भेजे गए अपने पत्र में कहा है कि भारत सरकार ग्रामीण बैंक कर्मचारियों के पदोन्नति नियमों में संशोधन, नई मानव श्रम नीति का क्रियान्वयन, 25000 से अधिक खाली पदों पर काम कर रहे अस्थाई कर्मचारियों का नियमितिकरण तथा 12 वें वेतन समझौते से जुड़े तमाम लाभ देने के लिए जल्दी आदेश जारी करने का भरोसा दिया था ।

महिला संबंधी जनपदीय कान्फ्रेंस का सफल आयोजन

श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी' के निर्देशन में श्रावस्ती पुलिस द्वारा संचालित "मिशन शक्ति" अभियान (फेज–5, द्वितीय चरण) के अंतर्गत पुलिस लाइन सभागार में महिला संबंधी जनपदीय कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा समाज के विभिन्न वर्गों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना रहा।कार्यक्रम में 'अपर जिलाधिकारी अमरेंद्र कुमार वर्मा' द्वारा अपने विस्तृत एवं प्रेरणादायक उद्बोधन में कहा गया कि 'महिला सशक्तिकरण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का आधार है।' उन्होंने शासन द्वारा संचालित योजनाओं जैसे बालिकाओं की शिक्षा, महिला सुरक्षा, स्वावलंबन एवं रोजगार से जुड़ी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि जब तक इन योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़ी महिला तक नहीं पहुंचेगा, तब तक वास्तविक सशक्तिकरण संभव नहीं है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों–शिक्षक, अभिभावक, व्यापारी एवं प्रशासन से आह्वान किया कि वे महिलाओं के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करें और उनके अधिकारों के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाएं। अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम' ने अपने प्रभावशाली संबोधन में महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि 'जनपद पुलिस महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सहायता हेतु 24□7 प्रतिबद्ध है।' उन्होंने विस्तार से बताया कि पुलिस द्वारा महिला हेल्पलाइन (1090/112), साइबर क्राइम सेल, एंटी रोमियो स्क्वॉड एवं मिशन शक्ति टीम के माध्यम से निरंतर कार्यवाही की जा रही है।

खो-खो प्रतियोगिता में पुलिस ने पहला स्थान प्राप्त किया

श्रावस्ती । गोरखपुर जोन की अंतरजनपदीय कबड्डी/खो–खो कलस्टर (महिला/पुरूष) प्रतियोगिता में श्रावस्ती पुलिस की खो–खो पुरुष टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल किया अपने नाम' विजेता पुलिस खिलाड़ियों को अपर जिलाधिकारी व अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा शील्ड व मेडल प्रदान कर किया गया सम्मानित' उत्तर प्रदेश वार्षिक खेलकूद कैलेंडर वर्ष–2026 के अंतर्गत आयोजित गोरखपुर जोन की अंतरजनपदीय कबड्डी खो–खो कलस्टर (महिला/पुरूष) प्रतियोगिता में जनपद श्रावस्ती पुलिस की 'खो–खो पुरुष टीम' ने उत्.ष्ट प्रदर्शन करते हुए 'प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल' हासिल किया, जिससे जनपद श्रावस्ती का नाम गौरवान्वित हुआ। विजेता टीम को 'अपर जिलाधिकारी अमरेंद्र कुमार वर्मा' एवं 'अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम' द्वारा शील्ड एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों द्वारा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई तथा कहा गया कि खेलकूद से अनुशासन, टीम भावना एवं आत्मविश्वास का विकास होता है, जो जीवन में सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक है।

सिधौली तहसील में 'रिश्वत का खेल' बेनकाब

सीतापुर। जनपद के सिधौली तहसील परिसर में बुधवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब एंटी करप्शन टीम ने एसडीएम कार्यालय में तैनात पेशकार अनुपम श्रीवास्तव को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरतार कर लिया। जानकारी के अनुसार, अटरिया थाना क्षेत्र के ग्राम मऊ निवासी चंद्र प्रकाश मिश्रा का एक वाद तहसील में लंबित था। आरोप है कि दाखिल–खारिज से जुड़े इस मामले में आपत्ति निरस्त करने के एवज में पेशकार द्वारा 1 लाख रुपये की रिश्वत मांगी गई थी। पीड़ित द्वारा इसकी शिकायत एंटी करप्शन टीम से की गई, जिसके बाद टीम ने योजना बनाकर जाल बिछाया। बुधवार को टीम पहले से ही तहसील परिसर में मौजूद थी। जैसे ही पेशकार ने शिकायतकर्ता से 1 लाख 7 हजार रुपये की रिश्वत ली, टीम ने उसे मौके पर ही रंगे हाथों पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान टीम ने आवश्यक साक्ष्य जुटाए और आरोपी को हिरासत में लेकर अपने साथ ले गई। सूत्रों के अनुसार, आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कमलापुर में अंबेडकर जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा, हजारों की भीड़ से थमा कस्बा

सीतापुर। डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में कमलापुर क्षेत्र में 136वीं जयंती बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कमलापुर परिक्षेत्र से एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर को समर्पित यह शोभायात्रा विभिन्न गांवों से टोलियों के रूप में कमलापुर पहुंची। पूरे कस्बे में एक समय ऐसा .श्य रहा कि जनसैलाब के चलते बाजार और रास्ते थम से गए।इस दौरान कसमंडा पैलेस स्थित मित्र भवन के गेट पर क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधि कुंवर दिनकर प्रताप सिंह ने शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया और क्षेत्रवासियों के साथ बाबा साहेब को नमन करते हुए उनके विचारों को याद किया। शोभायात्रा कस्बे के प्रमुख चौराहों से होती हुई नहर चौराहे के पास स्थित अंबेडकर भवन पहुंची, जहां उपस्थित जनसमूह ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में भीम आर्मी के जिला प्रभारी डॉ. सरोज कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। आयोजन ने पूरे क्षेत्र में भाईचारे, जागरूकता और एकजुटता का मजबूत संदेश दिया। कमलापुर की सड़कों पर बुधवार को एक अलग ही नजारा देखने को मिला। जैसे–जैसे शोभायात्रा आगे बढ़ती गई, वैसे–वैसे लोगों का हुजूम बढ़ता चला गया। हजारों की संख्या में लोग बाबा साहेब के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे। हर गली, हर चौराहे पर लोग इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बनने के लिए खड़े नजर आए। दुकानों से लेकर घरों की छतों तक लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। एक समय ऐसा आया जब पूरे कस्बे की रतार थम सी गई.हर कोई बस इस भव्य शोभायात्रा को देखने और उसमें शामिल होने को उत्सुक दिखा।

सफाईकर्मी के हत्यारों के गिरफ्तारी की मांग: संघ ने डीएम, एसपी को सौंपा पत्र, दिया आन्दोलन की चेतावनी

बस्ती । बुधवार को उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष अजय कुमार आर्य के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मण्डल ने सफाईकर्मी विनय कुमार वर्मा के हत्यारों के गिरफ्तारी की मांग को लेकर एसपी को पत्र सौंपा। इसके बाद जिलाधिकारी को सम्बोधित पत्र डीएम के प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा गया।

पत्र देने के बाद अजय कुमार आर्य ने बताया कि छावनी थाना क्षेत्र के अकला निवासी सफाईकर्मी विनय कुमार वर्मा हर्रैया विकास खण्ड क्षेत्र के बसदेवा कुंवर गांव में तैनात थे। गत 12 अप्रैल को गांव के निकट उनकी निर्मम हत्या कर दी गई। पुलिस ने अभी तक हत्यारों को गिरफ्तार नहीं किया है। मांग किया कि दोषियों को गिरफ्तार कर कड़ा दण्ड दिलाया जाय। अजय आर्य ने बताया कि पुलिस अधीक्षक ने प्रतिनिधि मण्डल को आश्वासन दिया है कि अति शीघ्र हत्यारों को गिरफ्तार कर लिया जायेगा। चेतावनी दिया कि यदि 17 अप्रैल तक हत्यारे गिरफ्तार न हुये तो 18 अप्रैल को जनपद के सफाई कर्मचारी विरोध प्रदर्शन कर डीएम को ज्ञापन देंगे।प्रतिनिधि मण्डल में मुख्य रूप से संघ के मंत्री मंशाराम चौधरी, कोषाध्यक्ष अशोक चौहान, संगठन मंत्री अमित चक्रवर्ती, लेखा सम्प्रेक्षक भरत कुमार यादव, सन्तोष कुमार, समयदीन यादव, उमेश चौधरी आदि शामिल रहे।

शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की सद्बुद्धि के लिए कांग्रेस नेताओं ने किया शुद्धिकरण यज्ञ

मीरजापुर। मीरजापुर में कांग्रेस नेताओं ने किसानों, विभिन्न गांवों के ग्रामीणों की समस्याओं और अहरौरा में फर्जी टोल प्लाजा को हटाने की मांग को लेकर चलाए जा रहे अनिश्चितकालीन धरने के नौंवे दिन सरकार और सत्ताधारी दल के विधायकों को सद्बुद्धि देने के लिए यज्ञ कर आहूति दी। बता दें कि पिछले दिनों 7अप्रैल से कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा पार्टी जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हुए हैं। धरनारत कांग्रेस नेताओं का आरोप रहा कि टोल प्लाजा के नाम पर लूट मचा हुआ है। जिसपर यहां का जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने चुप्पी साध लूट को मानों खुली छूट दे दी है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष डाक्टर शिवकुमार सिंह पटेल ने कहा पांच किलो राशन लेकर भाषण देने वाले जजिया कानून लागू कर देश को लूटने पर आमादा हैं। गौरतलब हो कि भारतीय किसान यूनियन सहित कांग्रेस और सैकड़ों गांवों के किसान शुरू से ही वाराणसी–शक्तिनगर मुख्यमार्ग स्थित अहरौरा टोल प्लाजा तथा मीरजापुर के विंध्याचल देवी धाम के समीप अष्टभुजा टोल प्लाजा जो मीरजा–प्रयागराज मार्ग पर स्थित है का विरोध करते हुए आएं हैं। कि जब 60किमी की दूरी में दूसरा टोल प्लाजा नहीं होना चाहिए तो अहरौरा में इस लूट की छूट किसने दी? इसी प्रकार विंध्याचल देवी धाम में देश के कोने कोने से हजारों की संख्या में नित्य भक्त आते हैं जो विंध्याचल दर्शन पूजन के पश्चात अष्टभुजा कालीखोह का त्रिकोण दर्शन करना नही भूलते हैं। विंध्याचल में टोल प्लाजा अष्टभुजा के समीप होने के चलते सर्वाधिक परेशानी भक्तों को होती है जिन्हें आर्थिक क्षति के साथ टोल कर्मियों के दुर्व्यवहार का भी शिकार होना पड़ता है।

'अहरौरा-अष्टभुजा टोल प्लाजा का विवादों से रहा है गहरा नाता'

मीरजापुर जिले के अहरौरा और विंध्याचल के अष्टभुजा टोल प्लाजा का विवादों से गहरा नाता रहा है। गौरतलब हो कि पूर्व में दोनों ही टोल प्लाजा पर यात्रियों से लगाए वाहन चालकों को मारने पीटने और दुर्व्यवहार करने का आरोप लगता आया है। अहरौरा में एक सेना के जवान से भी दुर्व्यवहार की घटना सामने आई थी जिसका वीडियो वायरल होने के बाद हड़कम मच गया था, लेकिन ऊंचे रसूख के चलते टोल प्लाजा पर कार्रवाई तो दूर किसी ने इनकी ओर झांका भी नहीं है।कांग्रेस नेताओं ने कलेक्ट्रेट में अनिश्चितकालीन अनशन के नौवें दिन बुद्धि–शुद्धि यज्ञ कर शासन प्रशासन सहित जिले के सांसद–विधायकों को सद्बुद्धि देने की कामना की कहां जिले में लूट की खुली छूट मिली हुई है, लेकिन इस पर कोई बोलने टोकने वाला नहीं है ऐसा प्रतीत होता है कि सभी का इसमें हिस्सा सेट है।

गंगा स्नान करते समय चार सहेलियां गंगा की धारा में समाई, दो को बचाया गया, एक की मिली लाश

मीरजापुर। गंगा नदी में स्नान करने के दौरान सभी गंगा की धारा में समा गई जिनमें से मौके पर मौजूद लोगों और नाविकों की मदद से दो को बचा लिया गया है जबकि दो की तलाश की जा रही है। बताया गया है कि चील्ह थाना क्षेत्र के चेकसारी घाट पर गंगा स्नान कर रही चार किशोरी डूब गई। स्थानीय नाविकों ने डूब रही दो बच्चियों को किसी तरह से बचा लिया। जबकि दो किशोरी गहरे पानी में चले जाने से डूब गई। जिन्हें पुलिस स्थानीय गोताखोरों से तलाश कराने में जुट गई है। चेकसारी गांव निवासी 15 वर्षीय आंशिक अपनी सहेली 14 वर्षीय रंजना, 17 वर्षीय सोनम और 16 वर्षीय रेखा के साथ गंगा घाट पर स्नान करने गई थी। सभी गंगा में स्नान कर रही थी, तभी अचानक गहरे पानी में चले जाने से चारों किशोरी डूबने लगी। चीख पुकार सुनकर पास मौजूद नाविक मौके पर पहुंच गए। नाविकों ने डूब रही सोनम और रेखा को सुरक्षित बचा लिया। जबकि अंशिका और रंजना गहरे पानी में चले जाने से डूब गई। घटना की जानकारी होते ही डूबी किशोरियों के परिजन घाट पर पहुंच गए। परिजनों का रो–रोकर हाल बेहाल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों से लापता किशोरियों की तलाश करा रही है। दो किशोरियों को बचाएं जाने के बाद दो की जहां पुलिस स्थानीय गोताखोरों नाविकों के जरिए तलाश में जुटी हुई थी, वहीं मौके पर मौजूद भारी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ भी प्रचंड गर्मी कड़क धूप में गंगा नदी के किनारे डटी हुई थी ।

युवती को बहला-फुसलाकर भगाने व धर्म परिवर्तन कराने का आरोप गिरफ्तार

मीरजापुर। तमाम बंदिशों और कानून की सखघ्ती के बाद भी जिले में प्रेम प्रपंच में फांस कर युवतियों किशोरियों के शारीरिक शोषण, धर्मपरिवर्तन का गंदा खेल थमने का नाम नहीं ले रहा है। मीरजापुर जिले की कोतवाली देहात पुलिस द्वारा युवती को बहला फुसलाकर भगाने एवं धर्म परिवर्तन के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।बता दें कि इस मामले में 14 अप्रैल 2026 को एक महिला द्वारा नामजद व्यक्ति के विरूद्ध अपनी पुत्री को बहला फुसला कर भगाने व धर्म परिवर्तन के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई थी। जिस पर पुलिस ने प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली देहात पर बीएनएस व 3ध्5(1) उत्तर प्रदेश विधि विरूद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधि. पंजीकृत कर विवेचना शुरू कर दी थी। इस मामले में पुलिस अधीक्षक मीरजापुर अपर्णा रजत कौशिक द्वारा घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में घटना से सम्बन्धित लोगों की यथाशीघ्र गिरफ्तारी तथा अपहृता की बरामदगी करने के लिए सख्त निर्देश दिए गए थे। एसपी के निर्देश के क्रम में थाना कोतवाली देहात पुलिस द्वारा अपहृता को बरामद कर बुधवार को नामजद आरोपी टमाटर उर्फ मोनू पुत्र शमसू निवासी मलीन बस्ती रमईपट्टी थाना कोतवाली शहर को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

किसान दिवस में गूंजा अडानी के थर्मल पॉवर प्लांट को लेकर विरोध

मीरजापुर। विकास भवन सभागार किसान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में किया गया। सर्व प्रथम उप कृषि निदेशक द्वारा गत किसान दिवस बैठक की आख्या से उपस्थित कृषकों को अवगत कराया गया। तदुपरान्त विकास खण्ड सदर के किसान श्री श्यामलाल मौर्य द्वारा अवगत कराया गया कि राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय के सामनें गड्ढा व गंदा नाला बहता है, पंचतला होटल से शेरनाथ मंदिर तक सड़क क्षतिग्रस्त है, और गड्ढा बना रहता है। दौलत सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष, कांग्रेस कमेटी द्वारा अवगत कराया गया है कि चुनार तहसील के अन्तर्गत आनें वाले गांवों यथा, नियामतपुर कला, दर्रा, बघेड़ा, बघेड़ी, शेरपुर, बहादुरपुर, हथेडा मौजों में स्थित नालों पर अतिक्रमण हो जानें के कारण खरीफ में धान की फसल क्षतिग्रस्त हो गयी है, यदि वर्षा के पूर्व इन गावों के नाले की खुदायी नहीं करायी गयी तो, आगामी वर्षा सीजन में फसल क्षतिग्रस्त हो सकती है। ओमप्रकाश सिंह, तहसील उपाध्यक्ष, भारतीय किसान यूनियन, (टिकैत) लालगंज द्वारा गेहूँ की खरीदारी सुचारू रूप से चालू करानें हेतु सभी क्रय केन्द्र को निर्देशित करनें हेतु अनुरोध किया गया है। श्रीमती उपासना सिंह, ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत बबुरा रघुनाथ सिंह, विकास खण्ड हलिया द्वारा ग्राम पंचायत में निर्माणाधीन गौशाला का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करानें हेतु अनुरोध किया गया, जिससे मवेशियों को आश्रय प्राप्त हो सके, तथा छुट्टा पशुओं से फसलों को बचाया जा सके। संतोष दूबे, विकास खण्ड लालगंज द्वारा बाणसागर खण्ड–5 द्वारा निर्मित नहर अदवा बैराज से मेजा डैम को जोड़नें वाली बड़ी नहर जिसकी लम्बाई लगभग 10 किमी है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बाबर आजम ने तोड़ा विराट कोहली का वर्ल्ड रिकार्ड, टी20 क्रिकेट के बने नए किंग

बाबर आजम ने टी20 क्रिकेट में अर्धशतकों का शतक पूरा किया है। खास बात ये है कि बाबर आजम ने सबसे कम पारियों में इस उपलब्धि को अपने नाम किया है। इसके साथ ही बाबर ने विराट कोहली का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी तोड़ा है। इसके अलावा पाकिस्तान सुपर लीग यानी पीएसएल में भी बाबर आजम ने एक इतिहास रच दिया है। पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने टी20 क्रिकेट में एक वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया है। बाबर आजम ने टी20 क्रिकेट में अर्धशतकों का शतक पूरा किया है। खास बात ये है कि बाबर आजम ने सबसे कम पारियों में इस उपलब्धि को अपने नाम किया है। इसके साथ ही बाबर ने विराट कोहली का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी तोड़ा है। इसके अलावा पाकिस्तान सुपर लीग यानी पीएसएल में भी बाबर आजम ने एक इतिहास रच दिया है। वे पीएसएल में सबसे पहले 4000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बने हैं। बाबर आजम ने बुधवार 15

अप्रैल को पेशावर जाल्मी के लिए खेलते हुए क्वेटा ग्लैडिएटर्स के खिलाफ 51 गेंदों में 10 चौकों की मदद से 71 रनों की पारी खेली। इसी पारी के दौरान बाबर आजम के रनों की संख्या पाकिस्तान सुपर लीग में 4000 के पार पहुंच गई। इस उपलब्धि ा पर पहुंचने वाले वे पहले खिलाड़ी हैं। उनसे पहले न तो किसी विदेशी खिलाड़ी ने और न ही किसी पाकिस्तानी खिलाड़ी ने इतने रन इस लीग में बनाए हैं। वे इससे पहले कराची किंग्स और इस्लामाबाद यूनाइटेड के लिए खेल चुके हैं। पेशावर उनकी इस लीग में तीसरी टीम है। इस टीम की वे कप्तानी भी कर रहे हैं। वहीं अगर बात टी20 क्रिकेट में उनके वर्ल्ड रिकॉर्ड की करें तो वह टी20 क्रिकेट में अर्धशतकों का शतक पूरा कर चुके हैं। हालांकि, इससे पहले 3 और खिलाड़ियों ने अर्धशतकों का शतक टी20 क्रिकेट में पूरा किया।

जानें कौन हैं Krish Bhagat आईपीएल 2026 के बीच मुंबई इंडियंस टीम में हुई एंट्री

कृष भगत को मुंबई इंडियंस ने अथर्व अंकोलेकर के रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल किया है। आईपीएल 2026 शुरू होने से पहले अंकोलेकर के घुटने में चोट लग गई थी जिस कारण उन्हें पूरे सीजन से बाहर होना पड़ा था। अब 4 मैच खेलने के बाद मुंबई ने भगत को अपनी टीम में शामिल किया जिसकी आधिकारिक जानकारी फ्रेंचाइजी ने गुरुवार को दी। मुंबई इंडियंस ने अथर्व अंकोलेकर के रिप्लेसमेंट का ऐलान कर दिया है। इस कड़ी में उन्होंने कृष भगत को अपनी टीम में शामिल किया है। आईपीएल 2026 शुरू होने से पहले अंकोलेकर के घुटने में चोट लग गई थी जिस कारण उन्हें पूरे सीजन से बाहर होना पड़ा था। अब 4 मैच खेलने के बाद मुंबई ने भगत को अपनी टीम में शामिल किया जिसकी आधिकारिक जानकारी फ्रेंचाइजी ने गुरुवार को दी। मुंबई इंडियंस का सफर अभी तक अच्छा नहीं रहा है। हार्दिक पंड्या की कप्तानी वाली इस टीम ने सिर्फ 1 मैच जीता है। जारी सीजन का पहला मैच जीतने के बाद मुंबई इंडियंस लगातार 3 मैच हार चुकी है। ओपनर रोहित शर्मा भी पिछले मैच में चोटिल हो गए, जिसके बाद माना जा रहा है कि वह पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच से बाहर हो सकते हैं। इससे पहले मुंबई इंडियंस ने कृष भगत को अपनी टीम में बतौर रिप्लेसमेंट शामिल किया। 21 वर्षीय कृष भगत दाएं हाथ के ऑलराउंडर हैं जो

घरेलू क्रिकेट में पंजाब का प्रतिनिधित्व करते हैं। वह एक दाएं हाथ के तेज गेंदबाज के तौर पर टीम में विविधता लाते हैं और निचले क्रम के बल्लेबाज के तौर पर भी योगदान दे सकते हैं। वह पिछले 2 सालो से मुंबई इंडियंस के ट्रायल का हिस्सा रहे हैं। कृष भगत इसी साल डीवाई पाटिल टी20 कप में रिलायंस टीम के लिए खेले थे। वह प्री–सीजन से ही टीम के साथ एक सपोर्ट बॉलर के तौर पर जुड़े रहे हैं। मुंबई इंडियंस ने अपने स्टेटमेंट में बताया कि, कृष ने अपनी लगन, काम के प्रति समर्पण और हर सेशन व प्रैक्टिस मैच में अपने बेहतरीन प्रदर्शन से कोचिंग स्टाफ को लगातार प्रभावित किया है।

पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच से पहले टीम में किया बदलाव, ये खिलाड़ी हुआ शामिल

मुंबई इंडियंस को आज आईपीएल 2026 का अपना 5वां मुकाबला पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलना है। इस मैच से पहले एमआई ने अपने स्क्वॉड में बदलाव किया है। मुंबई इंडियंस ने अथर्व अंकोलेकर की जगह कृष भगत को साइन किया है। अथर्व अंकोलेकर चोट के चलते पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। हार्दिक पंड्या की अगुवाई वाली मुंबई इंडियंस को आज आईपीएल 2026 का अपना 5वां मुकाबला पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलना है। इस मैच से पहले एमआई ने अपने स्क्वॉड में बदलाव किया है। मुंबई इंडियंस ने अथर्व अंकोलेकर की जगह कृष भगत को साइन किया है। अथर्व अंकोलेकर चोट के चलते पूरे

टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। मुंबई इंडियंस ने कृष भगत को 30 लाख के बेस प्राइज में अपने स्क्वॉड में शामिल किया है।आईपीएल द्वारा जारी की गई रिलीज के अनुसार, मुंबई इंडियंस ने अथर्व अंकोलेकर की जगह कृष भगत को साइन किया है। मुंबई इंडियंस ने अथर्व अंकोलेकर की जगह कृष भगत को साइन किया है जो चोट के कारण ये आईपीएल 2026 से बाहर हो गए हैं। 21 साल के भगत ने पंजाब के लिए सात फर्स्ट–क्लास मै और नौ लिस्ट । मैच खेले हैं। वह दाएं हाथ के मीडियम पेसर हैं और लिस्ट । क्रिकेट में हाफ सेंचुरी भी बना चुके हैं।

बाएं हाथ के स्पिनिंग ऑलराउंडर अंकोलेकर 2020 में भारत की अंडर 19 वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा थे और 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ एसीसी अंडर 19 एशिया कप के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच भी थे। फिलहाल, मुंबई का आईपीएल 2026 में अबतक का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है।

14 साल बाद एमआई सीजन का पहला मैच तो जीतने में कामयाब रही, लेकिन उसके बाद उन्हें लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। आरसीबी के खिलाफ पिछले मुकाबले में तो उन्हें घर पर ही हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में टीम के स्टार खिलाड़ी रोहित शर्मा चोटिल हो गए थे।

आईपीएल 2026 में विराट कोहली का जलवा, बेहतरीन बल्लेबाजी के दम पर अभी भी बने हुए हैं टी20 के किंग

आईपीएल 2026 में विराट कोहली जबरदस्त फॉर्म में चल रहे हैं। स्टार बल्लेबाज भले ही 2 साल पहले ही टी20 इंटरनेशनल को अलविदा कह दिया था लेकिन उनका प्रदर्शन बता रहा कि भले ही उन्होंने टी20 से संन्यास ले लिया हो लेकिन अब भी वह टी20 के किंग हैं। विराट कोहली आईपीएल 2026 में जबरदस्त फॉर्म में चल रहे हैं। स्टार बल्लेबाज भले ही 2 साल पहले ही टी20

इंटरनेशनल को अलविदा कह दिया था लेकिन उनका प्रदर्शन बता रहा कि भले ही उन्होंने टी20 से संन्यास ले लिया हो लेकिन अब भी वह टी20 के किंग हैं। आईपीएल 2026 में वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन, संजू सैमसन जैसे युवा तमाम धुरंधरों के बीच भी विराट कोहली आईपीएल 2026 में फिलहाल सबसे बड़े रन स्कोरर हैं। लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ बुधवार को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे कोहली ने 34 गेंदों में 49 रन की पारी खेली। अब तक इस सीजन के 5 मैचों में उनके नाम 57 के औसत से सबसे ज्यादा 228 रन दर्ज हो चुके हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 158 से ऊपर का है। हालांकि, विराट कोहली बुधवार को सिर्फ 1 रन से अर्धशतक से चूक गए। अगर वह एक रन और बना लिए होते तो इस आईपीएल सीजन में ये उनका तीसरा अर्धशतक होता। अब तक 5 पारियों में 4 बार 30 प्लस की पारी खेल चुके हैं। इस सीजन में उनका सबसे कम व्यक्तिगत स्कोर 28 रन का रहा है। विराट कोहली ने आईपीएल 2026 में अब तक 5 पारियों में 25 चौके और 8 छक्के जड़े हैं। विराट कोहली ने जून 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में भारत की खिताबी जीत के बाद टी20 इंटरनेशनल को अलविदा कह दिया था। तब तीन दिग्गजों ने एक साथ टी20 इंटरनेशनल से संन्यास लिया था– कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा।

बड़ा झटका, आईपीएल 2026 से बाहर हुआ ये स्टार खिलाड़ी

चेन्नई सुपर किंग्स को आईपीएल 2026 के बीच तगड़ा झटका लगा है। पहले ही एमएस धोनी की चोट ने सीएसके को परेशान किया हुआ है, वहीं अब टीम के तेज गेंदबाज खलील अहमद चोट के चलते पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। हालांकि, टीम की तरफ से कोई आधिकारिक एलान नहीं हुआ है। ऋतुराज गायकवाड़ की अगुवाई वाली चेन्नई सुपर किंग्स को आईपीएल 2026 के बीच तगड़ा झटका लगा है। पहले ही एमएस धोनी की चोट ने सीएसके को परेशान किया हुआ है, वहीं अब टीम के तेज गेंदबाज खलील अहमद चोट के चलते पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। हालांकि, टीम की तरफ से कोई आधि

ाकारिक एलान नहीं हुआ है। चेन्नई सुपर किंग्स का अगला मैच 18 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ है। पीटीआई के मुताबिक, चेन्नई सुपर किंग्स के पेसर खलील अहमद क्वाड्रिसेप्स इंजरी के कारण से आईपीएल से बाहर हो गए हैं। खलील अहमद जो अब तक चेन्नई सुपर किंग्स के खेले गए सभी पांच मैचों का हिस्सा थे, उन्होंने 14 अप्रैल को केकेआर के खिलाफ पिछले मैच के दौरान अपने दाहिने कूल्हे में दर्द की बात कही थी। टूर्नामेंट के शुरुआती स्टेज में वह सीएसके के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वालों में से एक थे। आईपीएल के एक सोर्स ने कहा कि, ये ग्रेड 2 टियर है और रिहैब में कम से कम 10–12 हफ्ते लगेंगे। बाएं हाथ के पेसर ने भारत के लिए 11 वनडे और 18 टी20 खेले हैं, जिसमें से आखिरी बार वह जुलाई 2024 में खेले थे। भारत खबर अपडेट इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान एमएस धोनी का पहला मैच 23 अप्रैल को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ हो सकता है।

बेंगलुरु ने लखनऊ को 5 विकेट से रौंदा, कोहली-रसिक का जलवा

आरसीबी और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच मुकाबला हुआ। जिसमें आरसीबी ने 5 विकेट से जीत दर्ज की। आरसीबी की जीत के लिए 147 रनों का टारगेट मिला था, जिसे उसने 15.1 ओवरों में ही हासिल कर लिया ।आईपीएल 2026 के 23वें मैच में बुधवार को आरसीबी और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच मुकाबला हुआ। जिसमें आरसीबी ने 5 विकेट से जीत दर्ज की। आरसीबी की जीत के लिए 147 रनों का टारगेट मिला था, जिसे उसने 15.1 ओवरों में ही हासिल कर लिया। विराट कोहली ने रनचेज में बेहतरीन 49 रन बनाए। वहीं तेज गेंदबाज रसिक सलाम डार ने 4 खिलाड़ियों को आउट किया। इस जीत के साथ ही आरसीबी अंकतालिका में पहले नंबर पर आ गई। आरसीबी के 5 मैचों में चार जीत से 8 अंक हैं। लेकिन उसका नेट रनरेट राजस्थान रॉयल्स से बेहतर है। पंजाब किंग्स तीसरे और सनराइजर्स हैदराबाद चौथे नंबर पर हैं।लक्ष्य का पीछा करते हुए

आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। फिल साल्ट महज 7 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद इम्पैक्ट सब विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल ने दूसरे विकेट के लिए 57 रनों की साझेदारी की। आवेश खान ने पडिक्कल को आउट करके इस साझेदारी को ब्रेक किया। फिर विराट कोहली के रूप में आरसीबी को तीसरा झटका लगा। कोहली ने 6 चौके और एक छक्के की मदद से 34 बॉल पर 49 रन बनाए। कोहली को आवेश खान ने निकोलस पूरन के हाथों कैच आउट कराया। रजत पाटीदार और जितेश शर्मा ने कुछ बड़े शॉट्स लगाकर टीम को जीत के करीब पहुंचाया। पाटीदार ने 13 गेंदों पर 27 रन बनाए। वहीं जितेश ने 9 गेंदों का सामना कर 23 रनों का योगदान दिया। रजत और जितेश के विकेट प्रिंस यादव ने झटके। यहां से टिम डेविड और रोमारियो शेफर्ड ने आरसीबी को जीत की दहलीज पर पहुंचाया। वहीं लखनऊ सुपर जाएंट्स ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 146 रन बनाए। लखनऊ की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। एडेन मार्करम 12 रनों पर आउट हो गए। मार्करम का विकेट रसिक सलाम डार ने लिया। इसके बाद कप्तान ऋषभ पंत को जोश हेजलवुड की गेंद बाईं कोहनी में लगी और रिटायर्ड हर्ट हो गए हालांकि, वो बाद में बल्लेबाजी करने आए। इसके बाद जोश हेजलवुड ने निकोलस पूरन को शानदार गेंद पर बोल्ड कर लखनऊ को दूसरा झटका दिया।

आरसीबी और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच भिड़ंत, देखें दोनों टीमों की प्लेइंग 11

आईपीएल 2026 का 23वां मुकाबला एम चिन्नास्वामी स्टेडियम

में आरसीबी और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच खेला जा रहा है। जहां बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। वहीं आरसीबी ने एक बदलाव करते हुए जैकब डफी की जगह जोश हेजलवुड को एकादश में शामिल किया है।आरसीबी और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच आईपीएल 2026 का 23वां मुकाबला एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जा रहा है। जहां बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। वहीं आरसीबी ने एक बदलाव करते हुए जैकब डफी की जगह जोश हेजलवुड को एकादश में शामिल किया है। सुपर जाएंट्स ने अपनी एकादश में कोई बदलाव नहीं किया है। वहीं आरसीबी की टीम ने अब तक 4 मुकाबले खेले हैं, जिसमें से तीन मैच में टीम ने बाजी मारी है, जबकि एक मुकाबले में उसे राजस्थान से हार मिली है। दूसरी तरफ लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम ने 4 मैच खेलते हुए दो मैच जीते हैं, जबकि दो में उसे हार मिली है। रजत पाटीदार की कप्तानी में बेंगलुरु की टीम तीन जीत के साथ पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर है, जबकि ऋषभ पंत के नेतृत्व वाली लखनऊ की टीम दो जीत के साथ टेबल में सातवें पायदान पर है।

भविष्य अधर में, कप्तानी छिनने के साथ टीम इंडिया से होंगे बाहर!

सूर्या की कप्तानी में टीम इंडिया ने टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता, लेकिन बैटिंग में खराब फॉर्म उनके लिए खतरे की घंटी बन रहा है। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में 242 रन जरूर बनाए थे, लेकिन बड़े मैचों में ज्यादातर फ्लॉप ही नजर आए थे। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने 2026 टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। इससे पहले मेन इन ब्लू ने सूर्या की कप्तानी में 2025 का एशिया कप जीता था। लेकिन अगले यानी 2028 के टी20 वर्ल्ड कप से पहले भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार

यादव पर तलवार लटकती हुई नजर आ रही है।सूर्या पर सिर्फ कप्तानी छिनने का नहीं, बल्कि टीम इंडिया से बाहर होने का भी खतरा मंडराने लगा है। तो आइए जानते हैं कि आखिर अचानक क्यों वर्ल्ड कप विनिंग कप्तान पर टीम से बाहर होने का खतरा मंडराने लगा। न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से कहा गया है कि, भले ही सूर्या की कप्तानी में टीम इंडिया ने टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता, लेकिन बैटिंग में खराब फॉर्म उनके लिए खतरे की घंटी बन रहा है। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में 242 रन जरूर बनाए थे, लेकिन बड़े मैचों में ज्यादातर फ्लॉप ही नजर आए थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ खिताबी मुकाबले में सूर्या गोल्डन डक पर आउट हुए थे इसी तरह टूर्नामेंट में बड़ी टीमों के खिलाफ बल्ला खामोश रहा था। अंतर्राष्ट्रीय समाचार रिपोर्ट में आगे बताया गया कि जून और जुलाई में भारत का इंग्लैंड और आयरलैंड का दौरा सूर्या के लिए काफई अहम होगा, इस दौरे पर सूर्या की बल्लेबाजी पर नजर रखी जाएगी। ये दौरान तय कर सकता है कि भारत के मौजूदा टी20 कप्तान को अगले 2 सालोंका फेज मिलेगा या नहीं अगले 2 सालों में 2028 का टी20 वर्ल्ड कप और ओलंपिक जैसे बड़े इवेंट शामिल हैं।

शानदार रिकवरी : डालर के मुकाबले 20 पैसे की मजबूती

मंगलवार को बाबासाहेब आंबेडकर जयंती की छुट्टी के बाद बुधवार को जब विदेशी मुद्रा बाजार खुला, तो भारतीय रुपये में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। शुरुआती कारोबार में ही भारतीय रुपया 20 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.15 के स्तर पर पहुंच गया। मंगलवार को बाबासाहेब आंबेडकर जयंती की छुट्टी के बाद बुधवार को जब विदेशी मुद्रा बाजार खुला, तो भारतीय रुपये में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। शुरुआती कारोबार में ही भारतीय रुपया 20 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.15 के स्तर पर पहुंच गया। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच शांति वार्ता की नई उम्मीदों और घरेलू शेयर बाजार में आई तेजी ने रुपये को संजीवनी दी है।रुपया सोमवार को 52 पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.35 पर बंद हुआ था। बाबासाहेब आंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में मंगलवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद थे। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.4 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 97.95 पर रहा।

फोर्स 3 से जान अब्राहम की वापसी, हर्षवर्धन राणे भी साथ धमाकेदार एक्शन से थिएटर में मचेगा तहलका, रिलीज डेट से उठा पर्दा

एक्शन–थ्रिलर फिल्मों के शौकीनों के लिए एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जॉन अब्राहम की मशहूर फ्रैंचाइजी फोर्स की तीसरी कड़ी यानी फोर्स 3 पर काम तेजी से शुरू हो चुका है। फिल्म का पहला शेड्यूल शुरू हो गया है और पूरी टीम इस प्रोजेक्ट को लेकर पूरी तरह समर्पित नजर आ रही है। इस फ्रैंचाइजी के पिछले दो भागों की सफलता को देखते हुए दर्शकों के बीच इस फिल्म को लेकर उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं। इस बार फिल्म में जॉन अब्राहम के साथ हर्षवर्धन राणे भी नजर आने वाले हैं, इसका मतलब है कि स्वैग डबल होगा।फोर्स 3 में इस बार दर्शकों को कुछ पुराने चेहरों के साथ–साथ नई प्रतिभाएं भी देखने को मिलेंगी। फिल्म में जॉन अब्राहम एक बार फिर एसीपी यशवर्धन सिंह के अपने कड़क अवतार में वापसी कर रहे हैं। उनके साथ इस बार हर्षवर्धन राणे और तान्या मानिकतला मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। हर्षवर्धन के किरदार को लेकर अभी सस्पेंस बना हुआ है, जबकि तान्या को इससे पहले ए

सूटेबल बॉय में काफी पसंद किया गया था। निर्देशन की जिम्मेदारी भाव धुलिया को सौंपी गई है, जो खाकीरू द बिहार चौप्टर और द फ्रीलांसर जैसी सफल सीरीज के लिए जाने जाते हैं। दिलचस्प बात यह है कि भाव धुलिया ने इस फ्रैंचाइजी के पहले भाग में दिवंगत निर्देशक निशिकांत कामत के साथ बतौर सहायक काम किया था, इसलिए उनके लिए यह एक घर वापसी जैसा अनुभव है।फिल्म के निर्माण और अभिनय पर बात करते हुए जॉन अब्राहम ने कहा कि फोर्स एक ऐसी फ्रैंचाइजी है जिस पर उन्हें हमेशा से गहरा विश्वास रहा है। उन्होंने बताया कि इस बार फिल्म के स्तर को और भी बड़ा बनाया जा रहा है। जॉन ने हर्षवर्धन राणे की भी तारीफ की और कहा कि वे उन्हें एक एक्शन हीरो के रूप में पेश करने के लिए उत्साहित हैं। वहीं निर्माता शील कुमार ने जॉन अब्राहम के साथ अपने लंबे रिश्तों का जिक्र करते हुए कहा कि फोर्स 3 उनके लिए भरोसे और साझा विजन का परिणाम है। निर्देशक भाव धुलिया ने बताया कि जब उन्होंने फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ी, तभी वे इसके दीवाने हो गए थे और अब वे इसे पर्दे पर उतारने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हर्षवर्धन राणे ने इस बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि जॉन अब्राहम जैसे दिग्गज और भाव धुलिया के विजन के साथ काम करना उनके लिए सम्मान की बात है। तान्या मानिकतला भी इस एक्शन फ्रैंचाइजी से जुड़कर काफी उत्साहित हैं और उन्होंने अपनी भूमिका को विशेष बताया है। तकनीकी पक्ष की बात करें तो फिल्म की पटकथा सिमाब हाशमी ने लिखी है, संगीत रवि बसरूर का है और बोल इरशाद कामिल ने दिए हैं।

भक्तिऔर भव्यता का संगम श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर फिल्म कृष्णावतारम के ट्रेलर का हुआ अनावरण, लगे राधे-राधे के जयकारे

इस एक ऐसा पल जिसने सिनेमा और आध्यात्म के बीच की सीमाओं को मिटा दिया है. फिल्म कृष्णावतारम का भव्य ट्रेलर पवित्र कृष्ण जन्मभूमि पर लॉन्च किया गया. यह सिर्फ एक ट्रेलर लॉन्च नहीं था, बल्कि एक अद्भुत आध्यात्मिक अनुभव बन गया, जिसमें हजारों श्रद्धालु एक साथ भक्ति में लीन नजर आए.

जैसे ही ट्रेलर का अनावरण हुआ, पूरा वातावरण राधे–राधे और जय श्री कृष्ण के जयकारों से गूंज उठा. श्रद्धालुओं की भारी भीड़ ने इस पल को और भी खास बना दिया. यह आयोजन केवल एक स्थान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि रमन रेती मंदिर, राधा रानी मंदिर, प्रेम मंदिर और इस्कॉन वृंदावन जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों तक इसका विस्तार किया गया. इस तरह यह लॉन्च एक मल्टी–लोकेशन आध्यात्मिक उत्सव में बदल गया.फिल्म के निर्माताओं के अनुसार, श्कृष्णावतारम्श केवल एक भव्य फिल्म नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं के लिए एक पवित्र अर्पण है. इसे इस तरह से तैयार किया गया है कि यह दर्शकों को न सिर्फ शानदार विजुअल्स दे, बल्कि एक गहरी भावनात्मक और आध्यात्मिक यात्रा पर भी ले जाए. फिल्म की रचनात्मक टीम भी बेहद दमदार है. इसकी कहानी प्रकाश कापड़िया और राम मोरी ने लिखी है, जबकि सिनेमैटोग्राफी अयानंका बोस ने संभाली है. संगीत प्रसाद एस का है, जो फिल्म की भावनाओं को और गहराई देता है. प्रोडक्शन डिजाइन चोक्कस भारद्वाज का है, वहीं कॉस्ट्यूम्स निधि यशा द्वारा तैयार किए गए हैं। गीतों को इरशाद कामिल ने लिखा है, जो अपनी भावनात्मक लेखनी के लिए जाने जाते हैं. फिल्म का वैश्विक वितरण एए फिल्म्स द्वारा किया जाएगा और इसका संगीत सारेगामा द्वारा रिलीज किया जाएगा. निर्देशक हार्दिक गज्जर के निर्देशन में बनी इस फिल्म को साजन राज कुरुप और शोभा संत के साथ–साथ पूनम श्रॉफ और पार्थ गज्जर ने प्रोड्यूस किया है.खास बात यह है कि कृष्णावतारम को तीन भागों में बनने वाली एक भव्य फ्रेंचाइजी के पहले चौप्टर के रूप में पेश किया जा रहा है. यह फिल्म 7 मई 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी.कुल मिलाकर, कृष्णावतारम्श केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि भक्ति, आस्था और दिव्यता का एक अद्वितीय सिनेमाई अनुभव बनने जा रही है, जो दर्शकों के दिलों को छूने के साथ–साथ उन्हें आध्यात्मिक रूप से भी जोड़ने का वादा करती है. ।

नागाबंधम के मेकर्स ने बढ़ाई एक्साइमेट, 19 अप्रैल को रिलीज होगा फिल्म का हाई-एनर्जी सान्ग सुरा सुरा

2026 की सबसे बड़ी और बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक नागाबंधम, अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार सुर्खियां बटोर रही है. नागाबंधम का निर्देशन अभिषेक नामा कर रहे हैं. इस फिल्म में विराट कर्ण, नभा नतेश, जगपति बाबू और ऋषभ साहनी जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं. मेकर्स ने टीजर और पहले गाने नमो रे के जरिए दर्शकों के बीच जो एक्साइटमेंट पैदा की थी, उसे अब एक नए अपडेट के साथ और बढ़ा दिया है. नमो रे ने पहले ही इंटरनेट पर धूम मचा दी थी और अब अगला धमाका होने के लिए तैयार है.

मेकर्स ने एलान किया है कि फिल्म का दूसरा गाना सुरा सुरा 19 अप्रैल को रिलीज होने वाला है. इस घोषणा के साथ एक बेहद कलरफुल पोस्टर भी शेयर किया गया है, जिसमें विराट कर्ण, नभा नतेश और ऐश्वर्या मेनन डांस के जबरदस्त पोज देते हुए जश्न के मूड में नजर आ रहे हैं. पोस्टर को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह गाना काफी हाई–एनर्जी और ग्रूवी होने वाला है. कैप्शन में बताया गया है कि यह एक वेडिंग वाइब्स वाला फुट–टैपिंग नंबर होगा, जो दर्शकों को थिरकने पर मजबूर कर देगा. पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, जब ढोल बजता है, तो पूरी धरती सुनती है. नागाबंधम का दूसरा सिंगल – सुरा सुरा 19 अप्रैल को आ रहा है कबीले के साथ जुड़ने और वेडिंग वाइब्स महसूस करने के लिए तैयार हो जाइए 3 जुलाई को दुनिया भर के सिनेमाघरों मेंहाल ही में रिलीज हुए टीजर ने एक रहस्यमयी और जादुई दुनिया की झलक दिखाई है, जो दर्शकों के लिए एक भव्य सिनेमाई अनुभव का संकेत देती है। यह फिल्म धार्मिक विषयों, बेहतरीन वीएफएक्स और दमदार बैकग्राउंड स्कोर का एक अनोखा मिश्रण है, जो कहानी की गहराई और किरदारों के प्रभावशाली पलों को और भी खास बनाता है। भारतीय संस्कृति और इतिहास से जुड़ी यह

फिल्म देश के गौरवशाली अतीत और पौराणिक कथाओं के उन अनछुए पहलुओं से प्रेरित है, जो इसे इस जॉनर की दूसरी फिल्मों से अलग खड़ा करते हैं। नागाबंधम की कहानी, पटकथा और निर्देशन का जिम्मा अभिषेक नामा ने संभाला है।

रामायण पार्ट 1 में राम-रावण अवतार में क्या आमने-सामने होंगे रणबीर कपूर और यश?, साउथ सुपरस्टार ने दिया हिंट

भिनेता यश ने रामायण में रावण की अपनी भूमिका के बारे में कुछ नई जानकारी साझा की है, और एक खुलासे ने प्रशंसकों को चौंका दिया है. अभिनेता ने पुष्टि की कि दो फिल्मों की महाकाव्य सीरीज के पहले भाग में भगवान राम की भूमिका निभाने वाले रणबीर कपूर के साथ उनके कोई सीन नहीं हैं. यह खुलासा फिल्म की भव्य रिलीज से पहले बढ़ती उत्सुकता के बीच आया है. दोनों किरदारों के बीच के संबंध के बारे में बात करते हुए यश ने बताया कि कहानी की मेकिंग के कारण पहले भाग में दोनों अलग–अलग नजर आते हैं. उन्होंने कहा, दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म में हम दोनों कभी भी एक साथ स्क्रीन पर नहीं आए हैं. जैसा कि आप सभी जानते हैं, यह दो भागों वाली फिल्म है, इसलिए पहले भाग में रावण के रूप में मेरा अपना राज्य है और राम का अपना. उन्होंने आगे बताया कि दोनों किरदारों का आमना–सामना केवल दूसरे भाग में होगा, जो अगले साल रिलीज होने वाली है.स्क्रीन स्पेस साझा न करने के बावजूद, यश ने रणबीर के बारे में गर्मजोशी से बात की और उनके काम की प्रशंसा की. उन्होंने कहा, हम असल जिंदगी में कुछ बार मिले हैं, और वह एक शानदार अभिनेता हैं. मुझे लगता है कि यह आपसी सम्मान का नतीजा है. उन्होंने आगे कहा कि पूरी टीम कहानी को बेहतरीन तरीके से पेश करने पर केंद्रित हैरू जब आप रामायण जैसी महत्वाकांक्षी और असाधारण चीज करने निकलते हैं, तो हम सभी का एक ही लक्ष्य होता है कि हम अपना बेस्ट दें. हमारी सोच एक जैसी है, इसलिए हमारे बीच तालमेल की कोई समस्या ही नहीं है.यश ने रावण का किरदार निभाने के अपने फैसले और इस चरित्र के पीछे के दर्शन के बारे में भी खुलकर बात की. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि फिल्म केवल अच्छाई बनाम बुराई की कहानी नहीं है. उन्होंने कहा, रामायण की कहानी सिर्फ अच्छे या बुरे व्यक्ति के बारे में नहीं है. आप हर चीज में बेस्ट हो सकते हैं. आपके पास सभी बेहतरीन कौशल हो सकते हैं, लेकिन फिर भी आपका निर्णय मायने रखता है.अभिनेता ने समझाया कि रावण एक व्यक्तित्व है जो उसके कर्मों से बनता है. उन्होंने आगे कहा, आप सब कुछ जानते हैं. आप संगीत में अच्छे हैं. आप शास्त्रों में अच्छे हैं, लेकिन फिर भी आपके कर्म, आपके कर्म ही आपको परिभाषित करते हैं. इसी नजरिए से मैंने इस किरदार को निभाया. उन्होंने कहा, हम इन कहानियों को सुनते हुए बड़े हुए हैं, ये हमारी संस्कृति और बिलीव सिस्टम का हिस्सा हैं. सबसे महत्वपूर्ण बात एंगल है, हर किरदार का अपना नजरिया होता है और ज्यादातर समय वे जो कर रहे होते हैं उस पर विश्वास करते हैं.रामायण भी चर्चा का मुख्य विषय रही है. यह फिल्म दो भागों में निर्मित एक विशाल बजट और व्यापक तकनीकी उपयोग के साथ बनाई जा रही है. यश ने इस परियोजना को महत्वाकांक्षी बताया और कहा कि इसमें शामिल सभी लोग कहानी को भव्य तरीके से

प्रस्तुत करने के लिए प्रयासरत हैं. पहला भाग दिवाली 2026 के दौरान रिलीज होने वाला है, जबकि दूसरा भाग दिवाली 2027 में रिलीज होगा

बक्स अफिस पर धुरंधर 2 ने 27वें दिन फिर दिखाया दम, डकैत को भी मिली बढ़त

फिल्म धुरंधर 2 का पलड़ा बॉक्स ऑफिस पर अभी भी भारी चल रहा है। 19 मार्च को रिलीज हुई इस फिल्म ने 27वें दिन फिर से अच्छी कमाई कर दिखाई है। आंकड़ों में बढ़त देखने को मिली। फिल्म के जरिए रणवीर सिंह हर दिन दर्शकों का बेशुमार प्यार हासिल कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, मृणाल ठाकुर और अदिवि शेष की फिल्म डकैत 10 अप्रैल को रिलीज हुई थी। आइए जानते हैं कि 5वें दिन इसने कितना कलेक्शन किया है। सैकनिल्क के मुताबिक, धुरंधर 2 ने चौथे हफ्ते के पहले सोमवार, यानी 26वें दिन 5.20 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, लेकिन 27वें दिन इसने 7.05 करोड़ रुपये कमाए हैं। इस तरह घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की कुल नेट कमाई 1,095.67 करोड़ रुपये हो गई है। फिल्म ने वर्ल्डवाइड 1,727.93 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया है। यह फिल्म दिसंबर, 2025 में आई धुरंधर का सीक्वल है, जिसमें संजय दत्त, आर माधवन और अर्जुन रामपाल भी हैं। मृणाल और अदिवि की फिल्म डकैतरू एक प्रेम कथा बॉक्स ऑफिस पर मजबूत पकड़ बनाने में लगी है। सैकनिल्क के मुताबिक, इसने 6.55 करोड़ रुपये से ओपनिंग की थी, और दूसरे दिन 6.85 करोड़, तीसरे दिन 6.40 करोड़ के साथ अपनी पकड़ को बनाए रखा। फिल्म ने चौथे दिन, यानी सोमवार को सिर्फ 2.70 करोड़ कमाए थे, लेकिन 5वें दिन 3 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। इस तरह फिल्म ने अब तक 25.50 करोड़ रुपये कमा लिए हैं।

रवीना टंडन की बेटी और राजकुमार हिरानी के बेटे की जोड़ी तैयार, मचेगा धमाल

बॉलीवुड में एक और धमाकेदार स्टार किड डेब्यू की तैयारी पूरी हो चुकी है। अभिनेत्री रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी और मशहूर निर्देशक राजकुमार हिरानी के बेटे वीर हिरानी अब एक साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। वीर की सिनेमाघरों में आने वाली इस पहली फिल्म में राशा उनके साथ रोमांस करती दिखेंगी। फिल्म के लिए काफी समय से हीरोइन की तलाश चल रही थी, जो अब आखिरकार राशा पर आकर खत्म हुई है।रिपोर्ट के मुताबिक, राजकुमार हिरानी के बेटे वीर हिरानी को अपनी पहली थिएट्रिकल फिल्म के लिए लीड हीरोइन मिल गई है। जय शेवक्रमणि के अगले प्रोडक्शन में बन रही इस फिल्म में रवीना की बेटी राशा थडानी को उनके अपोजिट कास्ट किया गया है। इस फिल्म का नाम फिलहाल लगन लागी रे रखा गया है। कुल मिलाकर 2 बड़े फिल्मी घरानों के वारिसों को एक साथ देखना दर्शकों के लिए काफी रोमांचक होने वाला है।ये फिल्म एक ताजा और युवाओं पर आधारित प्रेम कहानी बताई जा रही है, जिसका निर्देशन सोनाली रतन देशमुख करेंगी। सोनाली इससे पहले अपने पति कुणाल देशमुख के साथ जन्नत, तुम मिले और शिद्दत जैसी मशहूर रोमांटिक म्यूजिकल फिल्मों में बतौर सहायक निर्देशक काम कर चुकी हैं। निर्माता पर्दे पर एक बिल्कुल नई जोड़ी पेश करना चाहते थे और उनका मानना है कि वीर–राशा एक बेहद शानदार रोमांटिक जोड़ी साबित होंगे। इस फिल्म की शूटिंग जुलाई 2026 में शुरू होगी।ये वीर हिरानी की बड़े पर्दे पर पहली फिल्म होगी। अभिनय की दुनिया में ये उनका दूसरा प्रोजेक्ट है। इससे पहले वो जियो हॉटस्टार की आने वाली सीरीज प्रीतम पेड्रो में नजर आएंगे, जो एक साइबर क्राइम थ्रिलर सीरीज है। इस सीरीज को उनके पिता ने बनाया है। इसमें उनके साथ अरशद वारसी और विक्रांत मैसी जैसे कलाकार हैं। लंदन की प्रतिष्ठित रॉयल एकेडमी ऑफ ड्रामेटिक आर्ट से स्नातक वीर पहले ही थिएटर जगत में अपनी पहचान बना चुके हैं।जहां तक राशा की बात है, उन्होंने पिछले साल अभिषेक कपूर की पीरियड ड्रामा फिल्म आजाद से अभिनय की शुआत की थी। हालांकि, उनकी ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही। उधर राशा भी अपने अभिनय से दर्शकों को कुछ खास प्रभावित नहीं कर पाईं। वो बात अलग है कि इस फिल्म के पार्टी नंबर उई अम्मा... ने उन्हें सोशल मीडिया पर खूब मशहूर कर दिया था। राशा अभिनेता अभय वर्मा के साथ लइकी लइका भी लेकर आ रही हैं।

नेहा धूपिया की हालीवुड में दस्तक, फिल्म 52 ब्लू से सामने आई पहली झलक

अभिनेत्री नेहा धूपिया अपनी अपकमिंग फिल्म 52 ब्लू को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म से वह हॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। फिल्म के मेकर्स ने इसका पहला लुक और ट्रेलर जारी किया है। नेहा धूपिया इसमें एक अलग लुक में नजर आ रही हैं। यह फिल्म फीफा वर्ल्ड कप 2022 के बैकग्राउंड में एक भारतीय प्रवासी मजदूर की जिंदगी पर आधारित है।2 मिनट 11 सेकंड के ट्रेलर में दिखाया गया है कि नेहा धूपिया ने उस व्यक्ति (यादव शशिधर) की मां का किरदार निभाया है, जो लियोनेल मेस्सी का बहुत बड़ा फैन है। वो लियोनेल मेस्सी से मिलने विदेश जाता है। वहां जाकर वह फंस जाता हैं। भारत में आशीष का परिवार पहले तो उनके विदेश जाने पर खुश होता है, बाद में जब वह वापस नहीं आता है, तो परिवार के लोग परेशान होते हैं। बेटे के दूर हो जाने पर नेहा धूपिया भी परेशान होती हैं।इस फिल्म में नेहा धूपिया पहली बार एक मां का किरदार निभाएंगी। उनके साथ आदिल हुसैन भी हैं, जो उनके पति का किरदार निभा रहे हैं। यह इन दोनों की पहली ऑन–स्क्रीन जोड़ी है।फिल्म का ज्यादातर हिस्सा कोच्चि में फिल्माया गया है, जहां के तटीय और द्वीपीय नजारे कहानी को

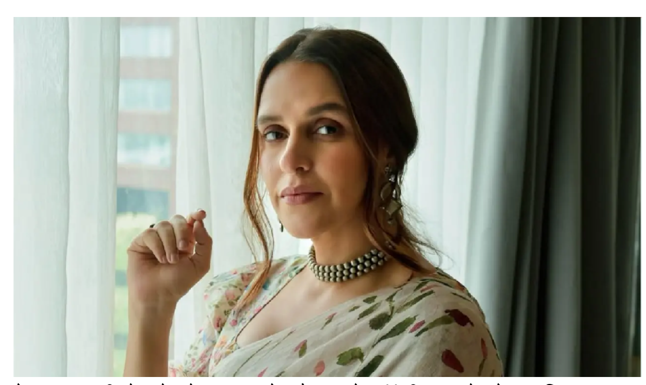

बेहतर तरीके से पेश करते हैं। यह फिल्म मिस्र के फिल्ममेकर अली अल–अरबी के निर्देशन में बनी है।आपको बता दें कि नेहा धूपिया ने 2003 में फिल्म कयामत से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। आखिरी बार वह फिल्म बैड न्यूज 2024 में नजर आई थीं।

मनोज बाजपेयी से टक्कर लेने के लिए विलेन बनेंगी दिव्या दत्ता, राणा दग्गुबाती संभालेंगे कमान

मनोज बाजपेयी को आखिरी बार फैमिली मैन सीजन 3 में देखा गया था। अब अभिनेता ने अपनी अगली फिल्म के लिए तैयारी शुरू कर दी है, जिसमें उनके साथ दिव्या दत्ता भी नजर आएंगी। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म में अभिनेत्री बतौर खलनायिका शामिल होंगी और अभिनेता की मुश्किलें बढ़ाएंगी। यह फिल्म मशहूर लेखक अरविंद अडिगा के उपन्यास लास्ट मैन इन टावर पर आधारित होगी, जिसका ऐलान नवंबर, 2025 में किया गया था।रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के निर्देशन की कमान साउथ अभिनेता राणा दग्गुबाती ने उठाई है। सूत्र ने बताया कि दिव्या का किरदार केंद्रीय भूमिका निभाने वाला है। उन्होंने कहा, दिव्या की खलनायिका एकतरफा नहीं हैय उसे निर्मम और चालाक दिखाया गया है, लेकिन उसमें कुछ कमजोरियां भी हैं। यह फिल्म दिव्या और मनोज के किरदारों के बीच तनाव पर आधारित है। परियोजना पर काम जारी है और निर्माताओं का लक्ष्य जुलाई से दिसंबर, 2026 के बीच शूटिंग शुरू करना है।

मुंबई की एक आवासीय कॉलोनी में घटित लास्ट मैन इन टावर की कहानी एक ऐसे शिक्षक के इर्द–गिर्द घूमेगी जो इमारत के पुनर्विकास पर विचार किए जाने के दौरान एक रियल एस्टेट डेवलपर को अपना फ्लैट बेचने से मना कर देता है। इस कहानी के जरिए लेखक ने अपने उपन्यास में लालच, महत्वाकांक्षा और शहरी विकास जैसे विषयों को उजागर किया है। बता दें, दिव्या को हाल ही में रिलीज चिरैया सीरीज के लिए काफी सराहना और तारीफें मिली हैं।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।